संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -315 सोमवार ,18 सितम्बर 2023, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

# बर्थडे पर मोदी ने देश के लोगों को दिया गिफ्ट

» 'यशोभूमि' के बाद 'पीएम विश्वकर्मा योजना' लॉन्च,

» कम ब्याज पर मिलेगा 3 लाख का लोन

## विश्वकर्मा पूजा एवं अपने जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने दिया शिल्पकारों को सौगात

**नई दिल्ली,17 सितम्बर 2023(ए)।** नरेंद्र मोदी ने आज जन्मदिन पर देशवासियों को तीन बड़ी सौगातें दी हैं। प्रधानमंत्री ने द्वारका सेक्टर-21 से 'यशोभूमि' द्वारका सेक्टर 25 तक विस्तारित एयरपोर्ट एक्सप्रेस मेट्रो लाइन का लोकार्पण करने के बाद द्वारका सेक्टर-25 में बने 'यशोभूमि' इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर के पहले चरण का भी उद्घाटन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने विश्वकर्मा समाज के लिए 'पीएम विश्वकर्मा योजना' लॉन्च की। केंद्र सरकार इस योजना पर 13000 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

उन्होंने कहा कि 'पीएम विश्वकर्मा योजना' के तहत सरकार कम ब्याज दर बिना किसी (बैंक) गारंटी के 3 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करेगी। सरकार ने फैसला किया है कि 1 लाख रुपये शुरुआत में ऋण दिया जाएगा और जब इसे चुकाया जाएगा, तो सरकार विश्वकर्मा भागीदारों को अतिरिक्त 2 लाख रुपये का ऋण प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का नया भारत कॉन्फ्रेंस टूरिज्म के लिए खुद को तैयार कर रहा हैएडवेंचर, मेडिकल, स्पिरिचुअल और हेरिटेज टूरिज्म वहीं होता है, जहां जरूरी माहौल होता है। इसी तरह कॉन्फ्रेंस टूरिज्म भी वहां होगा जहां इवेंट और मीटिंग की सुविधाएं होंगी। भारत मंडपम और यशोभूमि दिल्ली को सम्मेलन पर्यटन का सबसे बड़ा केंद्र बनाएंगे।

➡ नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया में हर साल 32,000 से ज्यादा बड़ी प्रदर्शनियां और एक्सपो होते हैं। 2-5 करोड़ की आबादी वाले देश भी इसकी व्यवस्था करते हैं, हमारी आबादी 140 करोड़ हैज कॉन्फ्रेंस टूरिज्म के लिए आने वाले लोग सामान्य पर्यटकों से ज्यादा पैसा खर्च करते हैंज इस उद्योग में भारत की भागीदारी सिर्फ 1 प्रतिशत है।

➡ पीएम विश्वकर्मा योजना के लॉन्च के मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 'दुनिया में कॉन्फ्रेंस टूरिज्म बढ़ रहा है, जिसमें भारत के लिए असीमित संभावनाएं हैं। कॉन्फ्रेंस टूरिज्म इंडस्ट्री दुनिया में 25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की है।

➡ बदलते हुए समय के साथ विकास के, रोजगार के नए-नए सेक्टर्स भी बनते हैं। आज से 50-60 साल पहले इतनी बड़ी ट्रूज़ इंडस्ट्री के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। आज से 30-35 साल पहले सोशल मीडिया भी कल्पना भर ही था। आज दुनिया में एक और बड़ा सेक्टर बन रहा है, जिसमें भारत के लिए असीम संभावनाएं हैं।

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत सरकार बिना किसी (बैंक) गारंटी के 3 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करेगी। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि ब्याज दर भी बहुत कम हो। सरकार ने फैसला किया है कि 1 लाख रुपये शुरुआत में ऋण दिया जाएगा और जब इसे चुकाया जाएगा, तो सरकार विश्वकर्मा भागीदारों को अतिरिक्त 2 लाख रुपये का ऋण प्रदान करेगी।

➡मोदी ने कहा कि सरकार आपके द्वारा बनाए गए उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग में भी आपकी मदद करेगी। बदले में, सरकार चाहती है कि आप उन दुकानों से टूलकिट खरीदें जो केवल जीएसटी पंजीकृत हैं।

➡ प्रधानमंत्री ने कहा कि निकट भविष्य में, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और उपकरण बहुत आवश्यक होंगे। 'पीएम विश्वकर्मा' योजना के तहत, सरकार ने विश्वकर्मा भागीदारों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है और प्रशिक्षण के दौरान आपको 500 रुपये प्रदान किए जाएंगे और आपको 1,500 रुपये का टूलकिट वाउचर भी मिलेगा।

➡ मोदी ने कहा कि यह यशोभूमि सेंटर स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा जिस तरह हमारे शरीर में रीढ़ की हड्डी जरूरी है, और समाज के लिए हमारे विश्वकर्मा जरूरी हैंज इनके बिना रोजमर्रा की जिंदगी अकल्पनीय है।

-प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं देश के प्रत्येक विश्वकर्मा के लिए इस केंद्र की घोषणा करता हूंज्यह विश्वकर्मा के लिए मददगार साबित होने वाला है। यह भारतीय कला और हस्तशिल्प को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने का एक जीवंत केंद्र होगा।

➡ उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले हमने देखा है कि कैसे भारत मंडपम को लेकर दुनिया भर में चर्चा हुई है। ये इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर-यशोभूमि इस परंपरा को और भव्यता से आगे बढ़ा रहा है।

➡पीएम ने कहा कि इस विश्वकर्मा दिवस पर हमें लोकल के लिए वोकल होने का प्रण फिर दोहराना है। अब गणेश चतुर्थी, धनतेरस, दीपावली सहित अनेक त्योहार आने वाले हैं। मैं सभी देशवासियों से लोकल खरीदने का आग्रह करूंगा। उन्होंने कहा कि जिसे कोई नहीं पूछता, उसके लिए गरीब का ये बेटा मोदी, उसका सेवक बनकर आया है। सबको सम्मान का जीवन देना, सभी को सुविधा पहुंचाना ये मोदी की गारंटी है।

➡ पीएम विश्वकर्मा योजना, विश्वकर्मा साथियों को आधुनिक युग में ले जाने का प्रयास है, उनका सामर्थ्य बढ़ाने का प्रयास है। विश्वकर्मा भाई-बहनों के लिए टेक्नोलॉजी, टूल्स और ट्रेनिंग बहुत ही आवश्यक है। ये हमारी ही सरकार है जिसने आजादी के बाद पहली बार बंजारा और घुमंतू जनजातियों की परवाह की। ये हमारी ही सरकार है जिसने आजादी के बाद पहली बार दिव्यांगजनों के लिए हर स्तर, हर स्थान पर विशेष सुविधाएं विकसित कीं।

➡ पीएम विश्वकर्मा योजना के शुभारंभ पर पीएम मोदी ने कहा कि आज देश को इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर यशोभूमि मिल गया है, जिस तरह का काम यहां हुआ है, वो मेरे विश्वकर्मा भाइयों की तपस्या को प्रदर्शित करता है। हमारी सरकार अपने विश्वकर्मा भाई-बहनों का सम्मान बढ़ाने, उनका सामर्थ्य बढ़ाने और उनकी समृद्धि बढ़ाने के लिए एक सहयोगी बनकर आगे आई है।

➡ नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस योजना के तहत 18 अलग-अलग क्षेत्रों के तहत काम करने वाले विश्वकर्मा भागीदारों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगाज्सरकार 'पीएम विश्वकर्मा' योजना पर 13,000 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है।

## विमान दुर्घटनाग्रस्त, चालक दल सहित 14 लोगों की मौत

**नई दिल्ली ,17 सितम्बर 2023(ए)।** ब्राजील के उत्तरी अमेजन राज्य में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में चालक दल सहित 14 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना शनिवार की बताई जा रही है।

अमेज़ॅनस के गवर्नर विल्सन लीमा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, वे सभी पर्यटक थे जो मछली पकड़ने की यात्रा पर जा रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि सभी पर्यटक ब्राजील के थे। यह बताया गया कि पायलट को मछली पकड़ने के खेल स्थल बार्सिलोस में लैंडिंग के लिए रनवे ढूंढने में परेशानी हुई।दुर्घटनाग्रस्त विमान एम्ब्रेयर ईएमबी 110 बैंडेइरेंटे कम्पनी के मालिक, मनौस एयरोटैक्सी एयरलाइन ने एक सोशल मीडिया बयान में दुर्घटना की पुष्टि की। बार्सिलोस के मेयर एडसन मेंडेस के अनुसार, नागरिक सुरक्षा टीमों को 14 शव मिले, जिनमें 12 यात्री, पायलट और सह-पायलट शामिल है।

## 73 साल के हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

»बधाईयों का लगा तांता,

» केजरीवाल और राहुल गांधी ने दी बधाई

**नई दिल्ली,17 सितम्बर 2023(ए)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज 73वां जन्मदिन है। इस मौके को खास बनाने के लिए आज कई योजनाओं को शुरू किया जा रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी आज दिल्ली के द्वारका में नए कन्वेंशन सेंटर योशोभूमि का भी उद्घाटन करने वाले हैं। जन्मदिन के मौके पर प्रधानमंत्री को बधाई देने वालों का तांता लगा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम मोदी को बधाई देते हुए एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, 'भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। मेरी शुभेच्छा है कि अपनी दूरगामी दृष्टि तथा सुदृढ़ नेतृत्व से आप 'अमृत काल' में भारत के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करें। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि आप सदा स्वस्थ और सानंद रहें तथा देशवासियों को अपने अप्रतिम नेतृत्व से लाभान्वित करते रहें।

गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दी। शाह ने लगातार कई पोस्ट किए। उन्होंने कहा, अपनी दूरदर्शिता, अथक परिश्रम और निस्स्वार्थ सेवाभाव से करोड़ों लोगों के जीवन में समृद्धि और विश्वास लाने वाले देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही ईश्वर से आपकी दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूँ।

विदेश मंत्री एस जयशंकर, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल,कांग्रेस नेता राहुल गांधी, योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी अपनी शुभकामनाएं दी।

## विशेष सत्र से पहले नए संसद भवन में जगदीप धनखड़ ने फहराया तिरंगा

**नई दिल्ली,17 सितम्बर 2023(ए)।** संसद का विशेष सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। इससे पहले रविवार को राज्यसभा के चेयरमैन और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संसद के नए भवन में तिरंगा फहराया। तिरंगा नए संसद के 'गज द्वार' में फहराया गया है। इस दौरान लोक सभा स्पीकर ओम बिरला, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन, पीयूष गोयल मौजूद थे। कांग्रेस की तरफ से यहां अधीर रंजन चौधरी और प्रमोद तिवारी मौजूद दिखे।

**संसद का विशेष सत्र आज से**

आज से संसद का विशेष सत्र शुरू होने वाला है। इससे पहले सरकार आज सभी राजनीतिक दलों के साथ एक बैठक करने वाली है। ये बैठक संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुलाई है। संसद का विशेष सत्र 18 से 22 सितंबर के बीच होने वाला है।

## लुटेरी दुल्हन समेत 6 गिरफ्तार

**कारनामे सुनकर रह जाएंगे हैरान**

**आज़मगढ़,17 सितम्बर 2023(ए)।** उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गैंग का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने एक लड़की समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. साथ ही लूटा गया कैश और जेवरात भी बरामद किए. पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है. इस रैकेट में जो लोग भी शामिल हैं, उन सब पर कार्रवाई कर जेल भेजा जाएगा. जानकारी के मुताबिक, हरियाणा के रेवाड़ी में रहने वाले हरिराम ने कंचन नाम की लड़की से धार्मिक रीति रिवाज से शादी की थी. इसके बाद कंचन ने हरियाणा पहुंचकर अपने गैंग के अन्य लोगों को बुलाया और देर रात मौका देखकर रुपये, जेवरात और मोबाइल लेकर फरार हो गई.

इसके बाद पीड़ति दूल्हा स्थानीय अहरौला थाने पहुंचा और तहरीर दी. पुलिस ने मामले में छानबीन की और शादी का झांसा देकर लूटपाट करने वाले इस गैंग का खुलासा किया. पुलिस का कहना है कि इस तरह के कई गैंग सक्रिय हैं. गैंग की लड़कियां भोले-भाले युवकों को अपने जाल में फंसाकर उनसे शादी करती हैं. इसके बाद उन्हें लूट लेती है. आए दिन इस तरह की सूचना मिलती रहती है. रेवाड़ी के मामले में भी ऐसा ही हुआ. अहरौला थाने से इस गैंग का खुलासा हुआ है. इसके पास से लूट गए 82 हजार रुपये और जेवरात बरामद हुए हैं.

आजमगढ़ के एसपी ग्रामीण अशोक दीक्षित ने बताया कि 10 सितंबर को आजमगढ़ के अहरौला थाने में हरिराम ने शिकायत की थी. उसने कहा था कि शादी के नाम पर उससे धोखाधड़ी करके 3 लाख 47 हजार रुपये, कुछ जेवरात, तीन मोबाइल और कपड़े की ठगी की गई. इसके आधार पर आईपीसी के धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी. जांच के दौरान 15 सितंबर को पुलिस की टीम ने 6 आरोपियों को फुलवरिया बाजार से गिरफ्तार कर लिया. इनसे पूछताछ की जा रही है.

## दरिंदे को मिली सजा-ए-मौत

**कैथल,17 सितम्बर 2023(ए)।** हरियाणा की कैथल जिला कोर्ट ने अपने इतिहास में पहली बार किसी अपराधी को मौत की सजा सुनाई है. मासूम बच्ची से रेप करने वाले आरोपी को सजा-ए-मौत सुनाई गई है. आरोपी ने 11 महीने पहले पड़ोस में रहने वाली 7 साल की मासूम से दरिंदगी करने के बाद उसकी हत्या कर दी थी औ शव को जला दिया था. दरअसल, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. गगनदीप कौर सिंह की अदालत में एक 7 साल की बच्ची के साथ रेप और उसके बाद निर्ममता से हत्या करने के दोषी को फांसी की सजा सुनाई है. कैथल के इतिहास में यह पहला ऐसा फैसला है कि किसी दोषी को मौत की सजा दी गई हो.

अदालत ने जिला विधिक सेवाएं प्राधिकारण के माध्यम से बच्ची के माता पिता को 30 लाख रुपए मुआवजा भी देने के आदेश दिए हैं. यह मुआवजा राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा. इसके अतिरिक्त अलग-अलग अपराधों में दोषी पर 13 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है. इस बारे में बच्ची के पिता ने 8 अक्टूबर को थाना कलायत में धारा 365, 366, 376-ए बी 302, 201 आईपीसी और धारा 6 पोक्सो एक्ट के तहत केस नंबर 395 दर्ज किया गया था. बाद में जांच के बाद

केस में आईपीसी की धारा 376 (3) भी जोड़ी गई थी. केस की विशेष बात यह रही कि पुलिस ने मात्र 5 दिन में चालान तैयार करके अदालत में पेश कर दिया था. शिकायत पक्ष की ओर से कैसे की पैरवी उप जिला न्यायवादी जय भगवान गोयल ने की. उन्हें जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा नियुक्त वकील अरविंद खुरानिया ने सहयोग दिया.

जय भगवान गोयल ने बताया कि घटना कलायत थाना क्षेत्र के एक गांव में 8 अक्टूबर 2022 को हुई थी. कक्षा 2 में पढ़ने वाली 7 साल की मासूम बच्ची घर की गली मे खेल रही थी. तभी वहां पर दोषी पवन पहुंच गया. मासूम पवन के पड़ोस में रहती थी. पवन बच्ची को बहला-फुसला कर अपने साथ ले गया. काफी देर तक बच्ची घर नहीं लौटी तो उसकी तलाश शुरू की गई. बच्ची का पता नहीं चला तो परिवार द्वारा कलायत थाने में अपहरण का केस दर्ज करवाया गया था. 9 अक्टूबर की दोपहर करीब 3 बजे बच्ची का अधजला शव पास के जंगल में मिला. पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाया था. पुलिस ने पूछताछ के बाद दोषी पवन को हिरासत में लिया था. इलाके में लगे सीसीटीवी फुटैज में पवन बच्ची को साथ ले जाता नजर आया था.

10 अक्टूबर को तत्कालीन एसपी मकसूद अहमद, डीएसपी सज्जन कुमार, थाना कलायत के कार्यकारी एसएचओ महावीर सिंह, सीआईए वन व रिजर्व टीम कुराड़ गांव पहुंचे. पवन से पूछताछ की गई. उसने बच्ची का रेप किया. वह चिल्लाई तो मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी. सबूत मिटाने के लिए उसने मिट्टी का तेल छिड़ककर मासूम के शव को आग के हवाले कर दिया था. एडवोकेट जय भगवान गोयल ने बताया कि दिलबाग सिंह और मोहन नाम के व्यक्तियों ने सबसे पहले मासूम का शव जंगल में देखा था. इस लोगों ने ही आरोपी पवन की पहचान की थी. इसके बाद पवन के खिलाफ हत्या और रेप का केस दर्ज किया गया था.

केस की सुनवाई तत्कालीन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पूनम सुनेजा की अदालत में शुरू हुई थी. उनके तबादले के बाद यह सुनवाई एडीजे डॉ. गगनदीप कौर की अदालत में हुई. इस केस में 2 नवंबर को चार्ज लगाया गया था. मामले में कुल 34 गवाह पेश किए गए. बहस के दौरान एडवोकेट गोयल और खुरानिया ने अदालत को बताया कि यह केस रेयरेस्ट ऑफ द रेयर केसों की कैटेगरी में आता है, इसलिए दोषी को मौत सजा दी जाए.

## जिंदगी की जंग हारा मजदूर

» 50 फीट की गहराई पर मिट्टी ढह गई

**बाड़मेर,17 सितम्बर 2023(ए)।** राजस्थान में 50 फीट गहरे कुएं में मिट्टी धंसने से दबे मजदूर को अभी तक बाहर नहीं निकाला जा सका है. 18 घंटे से प्रशासन की टीमें उस शख्स के रेस्क्यू में जुटी हुई है. रिपोर्ट के मुताबिक कुएं की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से मजदूर उसके नीचे दब गया. पुलिस के मुताबिक उसकी मौत हो चुकी है और अब शव को बाहर लाने की कोशिश हो रही है. शनिवार को मजदूर के दबते ही आसपास के लोगों ने मिट्टी हटाकर उसे निकलने की कोशिश शुरू की और प्रशासन को भी घटना की सूचना दी गई. प्रशासन की टीमों ने मौके पर पहुंचकर मजदूर का रेस्क्यू शुरू किया लेकिन, रेत और मलबे के नीचे दबे होने के कारण उसे नहीं निकाल पाए. घटना बाड़मेर जिले के तला गांव की है.

जानकारी के मुताबिक पिछले 4 - 5 दिन से कुएं की खुदाई का कार्य चल रहा था और 50 फीट की खुदाई हो चुकी थी. मजदूर कुएं में फर्मे लगाकर उसका पक्कीकरण का काम कर रहे थे. इसी दौरान सीमेंट का फ्रेम सरकने से मिट्टी धंस गई और मजदूर मिट्टी के नीचे दब गया. मजदूर के भाई और अन्य मजदूरों ने उसे निकालने की कोशिश की लेकिन, निकाल नहीं पाए. आनन -फानन में मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने प्रशासन को घटना की सूचना दी. 3 जेसीबी, 2 ट्रेक्टर और बचाव राहत टीमों के साथ एसडीएम, डीवाईएसपी, बाड़मेर विधायक मेवाराम जैन समेत प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा. कुएं से मिट्टी हटाने का काम शुरू हुआ लेकिन, मिट्टी हटाने के दौरान कुआं धंसता गया. यही वजह है कि मजदूर को 18 घंटे बाद भी अब तक नहीं निकाला जा सका है.

पुलिस के अनुसार शनिवार को तीन मजदूर कुएं में खुदाई का कार्य कर रहे थे. कुआं ढहने से 40 साल के मजदूर देवाराम उसके भाई के आंखों के सामने दब गया. अपने स्तर प्रयास के बाद प्रशासन को सूचना मिली. मौके पर सिविल डिफेंस की टीम प्रशासन के साथ रेस्क्यू में जुटी हुई है लेकिन सफलता नहीं मिली. पुलिस के मुताबिक मजदूर की मिट्टी के नीचे दबने से मौत हो गई. फिलहाल, मजदूर के शव को निकालने की कोशिश जारी है.

## पति का गुस्सा महिला ने चार बच्चों को नहर में फेंककर निकाला

**नागरकुर्नूल ,17 सितम्बर 2023(ए)।** तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिला में बिजिनपल्ली मंडल के मंगनूर गांव में एक मां ने अपने चार बच्चों को नहर में फेंककर उनकी जान ले ली। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान महालक्ष्मी (5), चरिता (4), मंजुला (3) और सात महीने के मार्कंडेय के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सरबानंद और ललिता अपने चार बच्चों के साथ गाँव में रहते थे। उनके रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे।

इन दोनों के बीच पिछले 10 दिनों से विवाद चल रहा था। पुलिस के मुताबिक ललिता ने इस संबंध में थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद वह महात्मा गांधी कलवाकुर्थी लिफ्ट सिंचाई योजना (एमजीकेएलआई) नहर के पास गई और अपने चार बच्चों को दुखद रूप से पानी में फेंक दिया। इस घटना को देखने वाले लोगों ने महालक्ष्मी, चरिता और मंजुला के शवों को बरामद करने में कामयाब रहे। फिलहाल मार्कंडेय का शव बरामद नहीं हुआ है। इस सिलसिले में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

## योगी राज में मनचलों की खैर नहीं

» लड़की का दुपट्टा खींचकर उसे मौत के मुंह में धकेलने वालों को पुलिस ने मारी गोली

**लखनऊ ,17 सितम्बर 2023(ए)।** बीच सड़क लड़की से छेड़छाड़ करने और उसका दुपट्टा खींचने वाले मनचलों को आखिरकार पुलिस की गोली का शिकार होना पड़ा। इस घटना को तीन मनचलों ने अंजाम दिया था, जिन्हें पुलिस ने शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया था।

पुलिस के मुताबिक, तीनों को मेडिकल कराने के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था,तभी रास्ते में तीनों ने बसखारी के पास पेशाब करने के लिए गाड़ी रुकवाई. इसी बीच, आरोपी पुलिसकर्मियों की बंदूक छिनकर भागने लगे, तभी पुलिसकर्मियों ने उनपर गोली चला दी. पुलिस की गोली लगने से दो आरोपी शाबाज़ और फ़ैसल घायल हो गए। जबकि तीसरे आरोपी का भागते वक्त गिरने से पैर टूट गया है। मृतक लड़की के पिता ने बताया कि उनकी बेटी बायोलॉजी की छात्र थी, पढ़ाई में बेहद अच्छी थी और डॉक्टर बनना चाहती थी। पिता सभाजीत वर्मा ने बताया कि मौखिक तौर पर पुलिसवालों से एक हफ्ते पहले इन मनचलों की हरकतों को लेकर शिकायत की थी लेकिन पुलिस ने कोई सुध नहीं ली, अगर उस वक्त कार्रवाई हुई होती तो आज उनकी बेटी जिंदा होती।

## संपादकीय

## मुट्ठी पूरी खुल गई ?

अभी तक लोगों का ध्यान इस पर ही लगा है कि क्या सरकार विशेष सत्र में कोई और बड़ा चौंकाने वाला कदम भी उठाएगी, इसलिए आशंका है कि निर्वाचन आयुक्तों से संबंधी विधेयक बिना पूरी सार्वजनिक जांच-पड़ताल के ही कानून का रूप ले ले।

जैसे केंद्र सरकार ने 18 सितंबर से संसद का विशेष सत्र बुलाने का एलान कर सबको चौंकाया था, वैसे ही उसने बुधवार देर रात सत्र का एजेंडा जारी कर लोगों को अटकलें लगाने की मानसिकता में डाल है। इसलिए कि जो अधिसूचना जारी की गई, उसे इंडिकेटिव (सूचक) एजेंडा कहा गया है। यानी उसमें यह गुंजाइश छोड़ी दी गई है कि सरकार सत्र के पांच दिनों के दौरान कोई और भी चौंकाने वाला विधायी कदम उठा सकती है। वैसे जो एजेंडा बताया गया है, वह भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। उसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया बदलने संबंधी उस बिल को पारित कराना भी शामिल है, जिसे सरकार ने मानसून सत्र के आखिर में पेश किया था। यह बिल पास होने के बाद निर्वाचन आयुक्तों को नियुक्त करने वाली कमेटी में सरकार का बहुमत हो जाएगा, जबकि भारत के प्रधान न्यायाधीश उस कमेटी से बाहर हो जाएंगे। जैसाकि पहले ही बताया गया था, अगले मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति नवंबर में होनी है, जबकि संसद का अगला सामान्य सत्र दिसंबर में होता।

उस स्थिति में सरकार की सारी गणना नाकाम हो सकती थी। लेकिन यह एक खतरनाक कदम है। इससे निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल और गहराएंगे। सरकार को यह सामान्य सिद्धांत ध्यान में रखना चाहिए कि निष्पक्षता ना सिर्फ बनी रहनी चाहिए, बल्कि ऐसा सबको दिखना भी चाहिए। चुनावों की विश्वसनीयता लोकतंत्र का सर्वोपरि महत्त्वपूर्ण पहलू है। अगर सरकार ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया बदल दी, तो अगले आयुक्त लगातार संदेह के घेरे में बने रहेंगे, भले वे असल में चुनावों को गलत ढंग से प्रभावित करने का कोई कार्य ना करें। निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता के साथ चुनावों की साख जुड़ी होती है। चूंकि अभी तक लोगों का ध्यान इस पर ही लगा है कि क्या सरकार कोई बड़ा चौंकाने वाला कदम भी उठाएगी, इसलिए आशंका है कि निर्वाचन आयुक्तों संबंधी विधेयक बिना पूरी सार्वजनिक जांच-पड़ताल के ही कानून का रूप ले ले। वैसे यह सवाल भी अहम है कि सरकार ने विशेष सत्र के बारे में पूरी मुट्ठी खोल दी है, या अभी उसमें कुछ छिपा रखा है?

# सनातन धर्म के स्वघोषित पर्याय की पगड़ी

नरेंद्र भाई अपने को सनातन धर्म के पर्याय की तरह पेश करने में लग गए हैं। वे माहौल बना रहे हैं कि सनातन संस्कृति की धार्मिक ध्वजा तब बचेगी, जब उनकी राजनीतिक पगड़ी बचेगी। ये आठ महीने सनातन संस्कृति के लिए बहुत खतरे के हैं। अगर इन आठ महीनों में सनातन धर्म की रक्षा नहीं हो पाई तो वह हमारी पृथ्वी से लुप्त हो जाएगा।..मैं ने बड़े-बड़े गालबजाऊ देखे हैं, लेकिन गाल-वाद्य का इतना संजीदा, इतना मुग्ध और इतने भीतरी विश्वास से भरा साधक और कोई नहीं देखा।

अगर आप सोच रहे हैं कि नरेंद्र भाई मोदी अपने पैरों के नीचे से कालीन आसानी से खिसक जाने देंगे तो आप को मतिभ्रम हो रहा है। लेकिन अगर नरेंद्र भाई को लगता है कि सत्ता का कालीन उनके पैरों से ऐसा लिपट गया है कि वे खुद भी उसे लाख झटकें तो भी वह उन से दूर नहीं होगा तो उन्हें भी मतिभ्रम हो रहा है। बाम-ए-हुकूमत पर हर रोज़ उतर रहे कबूतरों के पैरों से बंधे ख़तों में यक-सा संदेश लिखा दूर से ही नज़र आ रहा है कि 'पगड़ी संभाल जट्टा, पगड़ी संभाल'।

दोनों को अपनी-अपनी पगड़ी संभालनी है। नरेंद्र भाई को भी और जनता को भी। नरेंद्र भाई की पगडी बची तो जनता की पगड़ी उछल जाएगी और जनता की पगड़ी बची तो नरेंद्र भाई की। सो, अभी आठ महीने हमारा देश पगड़ी-पगड़ी खेलेगा। जनता ने गांठ बांध ली है कि वह अपनी पगड़ी इस बार किसी भी हाल में नीचे नहीं लुढ़कने देगी। अब तक अपना-तेरी मचा रहे विपक्षी ऊधमियों को इसी दबाव के चलते प्रौढ़ता दिखानी पड़ रही है। नरेंद्र भाई की भी हठ है कि अपनी पगड़ी का तुर्रा हर कीमत चुका कर भी कायम रखेंगे। इसलिए वे भी हर ज़रूरी-ग़ैरज़रूरी मौक़े पर कुलांचे भरने में कोई कोताही नहीं कर रहे हैं।

इसी का नतीजा है कि आवर्ती जी-20 सम्मेलन की सफल मेजबानी की खुशी में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में आयोजित-प्रायोजित कार्यक्रम में नरेंद्र भाई के तो पैर ज़मीन पर ही नहीं पड़ रहे थे। साथ-साथ, मगर हलका-सा पीछे, चल रहे भाजपा-अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के पैरों से भी घुघरुओं की आवाज़ आ रही थी। बेचारे अमित भाई शाह और राजनाथ सिंह को सुरक्षा दस्ते ने दूसरे दरवाज़े से भीतर जाने का इशारा कर दिया था, सो, उनके पैर-तो-पैर, वे समूचे ही ज़मींदोज़-से दिखाई दे रहे थे। ज़श्न के संगीत में नरेंद्र भाई और पूरी भाजपा पूरी तरह भूल गई कि चंद घंटे पहले कश्मीर में फ़ौज और पुलिस के कितने अधिकारी आतंकवादियों से मुठभेड़ में शहीद हुए हैं?

चूंकि अपनी पगड़ी की रक्षा लगातार और ज़रूरी होती जा रही है, नरेंद्र भाई के मन में सनातन धर्म की रक्षा की चिंता भी लगातार बढ़ती जा रही है। वे उत्तर भारत के अपने सरकारी कार्यक्रमों तक में यह बताने पर पूरा ज़ोर लगा रहे हैं कि दक्षिण भारत के एकाध चलताऊ राजनीतिक की कही बातों से कैसे छह हज़ार साल पुरानी सनातन संस्कृति बहुत गंभीर खतरे में पड़ गई है। नरेंद्र भाई अपने को सनातन धर्म के पर्याय की तरह पेश करने में लग गए हैं। वे माहौल बना रहे हैं कि सनातन संस्कृति की धार्मिक ध्वजा तब बचेगी, जब उनकी राजनीतिक पगड़ी बचेगी। ये आठ महीने सनातन संस्कृति के लिए बहुत खतरे के हैं। अगर इन आठ महीनों में सनातन धर्म की रक्षा नहीं हो पाई तो वह हमारी पृथ्वी से लुप्त हो जाएगा।

मुझे सचमुच इस बात पर गर्व होता है कि हम में से कोई ख़ुद अपना ही पर्याय नहीं बन पाया और हमारे नरेंद्र भाई हैं कि संपूर्ण सनातन धर्म के पर्याय बन बैठे। स्वघोषणा की ऐसी हिम्मत बिरलों में ही होती है। इसलिए अगर अगले साल की गर्मियों में आप को नरेंद्र भाई के सिर से सियासी पगड़ी गायब मिले तो आप समझ लीजिए कि सनातन धर्म ने हम से हमेशा के लिए विदा ले ली है। आप की आप जानें, मगर एक पक्का सनातनी होने के नाते मैं तो यह दृश्य देखने के लिए ज़िंदा नहीं रहना चाहता हूं। सनातन धर्म मुक्त संसार में जी कर मैं क्या करूंगा? और, जब नरेंद्र भाई सनातन धर्म के, स्वयंभू ही सही, पर्याय बन गए हैं तो या तो मैं अगले चुनावों में उन का समर्थन कर अपने जीवन-धर्म का पालन करूं या सनातन-लोप के पहले स्वयं के जीवन का लोप कर लूं।

मैं ने बड़े-बड़े गालबजाऊ देखे हैं, लेकिन गाल-वाद्य का इतना संजीदा, इतना मुग्ध और इतने भीतरी विश्वास से भरा साधक और कोई नहीं देखा। जिन्हें इस सूक्ति का जाप करना है कि 'अज्ञानता में ही परम आनंद निहित है', वे शौक़ से यह जाप करते रहें। अपने नरेंद्र भाई को इस तरह की बातों से फ़र्क़ पड़ता होता तो क्या वे प्रधानमंत्री बन जाते? आत्ममुग्धता और स्वघोषणा के गुणों ने ही उन्हें यहां तक पहुंचाया है। यही गुण उन्हें आगे भी, जहां ठीक समझेंगे, पहुंचाएंगे।

इस एक दशक में नरेंद्र भाई ने हमें जैसे देश-दुनिया के दर्शन कराए हैं, अगर उसके बाद भी हम उनके विश्वगुरु होने पर संदेह करते हैं तो हम से ज़्यादा कृतघ्न कौन होगा? एक आदमी एक दिन की छुट्टी लिए बिना दिन-रात आप के लिए लगा हुआ है; मित्र-मंडली का भले सोचता हो, मगर घर-बार का तो कम-से-कम कतई नहीं सोचता; जिसने सर्वस्व आप पर न्यौछावर कर रखा है; उसके प्रति भी अगर आप के मन में सद्भाव के अंकुर नहीं फूटते है तो क़िस्मत उसकी नहीं, आप की फूटी हुई है। आप अभागे हैं कि हीरे को कोयला समझ रहे हैं।

जितना इन दस वर्षों में हुआ, उतना कभी हुआ था क्या? मगर आप हैं कि नेहरू और इंदिरा गांधी के ज़माने की यादों से आगे ही नहीं बढ़ पा रहे हैं। इस दशक की तरक्क़ी के तमाम सरकारी आंकड़े आपके सामने हैं। विकास-दर तेज़ी से बढ़ रही है। रोज़ाना मीलों लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग बन रहे हैं। चप्पे-चप्पे पर विमानतल बन गए हैं। बूंद-बूंद पर बंदरगाह बन चुके हैं। पटरी-पटरी पर वंदेभारत रेलें दौड़ रही हैं। 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन मिल रहा है। जन-धन खातों में धन बरस रहा है। हर घर में प्रसाधन कक्ष बन गए हैं। खेत खाद-बीज-पानी से लबालब हैं। ज़रूरी वस्तुओं के दाम पहले कभी इतने कम नहीं थे। युवाओं के सामने रोज़गार के अंबार लगे हैं।

शेयर बाज़ार आसमान छू रहा हे। क्रिकेट मैच के मैदानों में भीड़ संभाले नहीं संभल रही। शॉपिंग मॉल दिन-रात जगमगा रहे हैं। मगर आप हैं कि सरकारी आंकड़ों का गुदगुदा गद्दा बिछा कर सोने को तैयार ही नहीं हैं। वह आप को काटता है। आप अपने आंकड़े लिए विचार रहे हैं। मैं कहता हूं कि एक बार आप नरेंद्र भाई के बताए आंकड़ों को खा कर देखिए, पी कर देखिए और उन से ज़रा स्नान कीजिए। फिर आप की सारी थकान दूर हो जाएगी। आप एक दूसरे ही तरंग-लोक में पहुंच जाएंगे। जहां न ग़म होगा, जहां न आंसू होंगे, जहां बस परमानंद ही परमानंद बहेगा।

मगर मैं जानता हूं कि आप ढीठ हैं। आप यह बात मानेंगे नहीं। आप मीनमेख निकाले बिना रहेंगे नहीं। आप खुरपेंच किए बिना बाज़ नहीं आएंगे। आप किसी-न-किसी तरह नरेंद्र भाई की पगड़ी को निशाना बनाने पर तुले हुए हैं। दस बरस में आप का हर लमहा इसी उधेड़बुन में बीता है कि नरेंद्र भाई की पगड़ी कैसे उछालें। देसी-परदेसी भूमि से आप ने इसके लिए हर तरह के बल्लम-भाले फेंक कर देख लिए। मगर नरेंद्र भाई की पगड़ी अब तक सलामत है। नरेंद्र भाई को दृढ़ विश्वास है कि उनकी पगड़ी आजीवन सलामत रहेगी। मैं देखने को बेताब हूं कि देश की पगड़ी महफ़ूज़ रहती है या नरेंद्र भाई की! मैं देखने को तरस रहा हूं कि इन आठ महीनों में नरेंद्र भाई देश की पगड़ी को अपनी पगड़ी में तब्दील करते हैं या अपनी पगड़ी को देश की पगड़ी बनाने में ही लगे रहते हैं! अब सारा दारोमदार इसी एक मुद्दे पर है।

**-पंकज शर्मा-**

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

## मम्मी जल्दी आना

सुन लो बातें मेरी मम्मी,
तीज नहीं मैं जाऊँगा,
पापा दादी के सँग रहकर,
उनका हाथ बटाऊँगा।।
इम्तिहान सर के ऊपर है,
टीचर रोज पढ़ाते हैं,
होमवर्क जो ना करते हैं,
उसको डाँट लगाते हैं।।
नानी के घर मैं जाऊँ तो,
कोर्स नहीं कर पाऊँगा,
अच्छे नंबर सब लायेंगे,
मैं पीछे रह जाऊँगा।।
चिंता ना करना मम्मी तुम,
मीठे पकवान बनाना,
नानी मामा मौसी के सँग,
फोटो भी खूब खिचाना।।
सुबह-शाम तुम फोन लगाकर।
सबसे बातें करवाना,
मेरी प्यारी-यारी मम्मी,
जल्दी से घर तुम आना।।

**प्रिया देवांगन प्रिय**
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

## भगवान की मुस्कान

कोई फूल कह कर नहीं खिलता
वे प्राकृतिक हैं
उस विकास में पड़ने वाली
मुस्कान में खिलता है
दुनिया मंत्रमुग्ध है
उस मंत्रमुग्ध शीर्षक पर
भगवान की मुस्कान
फूलों में पाया जा सकता है
यह क्या है ?
फूलों के साथ रहना
भगवान की मुस्कान?
उस पर संदेह मत करो
ईमानदारी से यह है
भगवान की मुस्कान
समझें कि फूल हैं
परिवर्तन का एहसास करें...
और तुम्हारे होठों पर
एक मुस्कान
आमंत्रित करना...

**ओत्तेरी सेल्वा कुमार**
चेन्नई,
तमिलनाडु

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

## भोले का मन भोला

भोले में मन रमा रहेगा,
खुशियां पल-पल आएंगी,
जीवन की हर नई डगर में,
भोले का संग पाएंगी।
भोले में मन ....
भोले का मन इतना भोला,
जीवन में रस घोला है,
देख छवि भोले की इत-उत,,
मन झूले-सा झूला है।
भोले में मन...ज
साथ मिला श्वांसों का भोले,
उर चंदन हो जाता है,
कंठ से जब-जब भोले निकले,
सब पावन हो जाता है।
भोले में मन .....
मन के घाट पर भोले मेरे,
गंगा-से लहराते हैं,
नज़रें झुकी हुई चरणों में,
भोले फिर मुस्काते हैं।
भोले में मन .....
आओ हम सारे जन मिलकर,
भोले का गुणगान करें,
धरा बने भोले की नगरी ,
ऐसा हम आह्वान करें।
भोले में मन .....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,इन्दौर
मध्यप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# स्थानीय बनाम राष्ट्रीय मुद्दों का नैरेटिव

भारतीय जनता पार्टी को पांच राज्यों के विधानसभा के चुनाव में ऐसे भावनात्मक और संवेदनशील मुद्दों की तलाश है, जिनसे स्थानीय राजनीति और ठोस राजनीतिक मुद्दों पर से ध्यान हटाया जा सके। सही है कि जिन राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं उनमें से भाजपा की सरकार सिर्फ मध्य प्रदेश में है और राजस्थान व छत्तीसगढ़ में वह मुख्य विपक्षी है, जबकि तेलंगाना में जगह बनाने के लिए लड़ रही है। लेकिन केंद्र में पिछले साढ़े नौ साल से भाजपा की सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने देश की कमान संभालते समय बड़े वादे किए थे। लोग अच्छे दिन आने का इंतजार कर रहे थे। माना जा रहा था कि मोदी पूरे देश का कायाकल्प कर देंगे। सो, भले कई राज्यों में भाजपा विपक्ष में है लेकिन वहां भी उसे किसी न किसी स्तर पर सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है।

इसका एक कारण यह है कि सभी राज्यों में भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ रही है। मध्य प्रदेश में, जहां उसकी सरकार है वहां भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ा जा रहा है। पार्टी ने यह ऐलान नहीं किया है कि भाजपा जीती तो चौहान फिर से मुख्यमंत्री होंगे। वहां भी भाजपा सामूहिक नेतृत्व में और नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ रही है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में तो भाजपा विपक्ष में है। वहां उसने पुरानी परंपरा से हटते हुए बिना किसी का चेहरा पेश किए लड़ने का फैसला किया है। राजस्थान में वसुंधरा राजे और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह सक्रिय हैं लेकिन पार्टी ने उन पर दांव नहीं लगाया है। दोनों राज्यों में मोदी के चेहरे पर चुनाव हो रहा है। तभी दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद भाजपा को अंदर अंदर सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश में तो दोहरी एंटी इन्कम्बैंसी हो गई है।

चूंकि राज्यों के चुनाव में भी नरेंद्र मोदी का चेहरा है और उनको या पार्टी को लग रहा है कि साढ़े नौ साल के शासन की एंटी इन्कम्बैंसी हो सकती है इसलिए ठोस राजनीतिक मुद्दों की बजाय राष्ट्रीय और भावनात्मक मुद्दे उठाए जा रहे हैं। विपक्ष पर हमला उनके कामकाज से ज्यादा इस बात के लिए किया जा रहा है कि उन्होंने 'घमंडिया' गठबंधन बनाया है और सनातन को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। हकीकत यह है कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पांच साल के राज के बावजूद भाजपा कोई बड़ा आंदोलन नहीं खड़ा कर पाई और न भ्रष्टाचार के बड़े मामले में नेताओं को उलझाया जा सका। दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकारों ने लोक कल्याण की अनगिनत योजनाएं घोषित कीं, जिन्हें पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 'मुफ्त की रेवड़ी' कहा लेकिन जवाब में अब मध्य प्रदेश में उनकी सरकार वहीं काम कर रही है और बाकी राज्यों में भाजपा के नेता वैसे ही वादे कर रहे हैं, जैसे काम कांग्रेस की सरकार कर रही है। सामाजिक समीकरण में भी दोनों राज्यों के कांग्रेस नेता बड़े जातीय समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं।

तभी ठोस राजनीतिक मुद्दों और सरकारों के कामकाज के बजाय सनातन का मुद्दा बनाया गया है। इसके जरिए हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने का प्रयास हो रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन के जरिए केंद्र सरकार के अब तक के बाकी कामकाज और वादों को पीछे धकेल कर भारत की विश्वगुरू या विश्वमित्र की छवि का प्रचार किया जा रहा है। भारत और इंडिया की बहस चलाई जा रही है। हिंदी का प्रचार किया जा रहा है। ध्यान रहे पिछले 25 साल से मोदी की छवि हिंदू हृदय सम्राट वाली है। सो, सनातन और मोदी को भाजपा ने मिला दिया है। इसी तरह जी-20 सम्मेलन में समूचा फोकस मोदी के ऊपर रखा गया, जिससे लोगों में आसानी से यह मैसेज गया कि मोदी की वजह से देश को इतना सम्मान मिल रहा है। सो, पांचों राज्यों में यह नैरेटिव है कि मोदी से सनातन की रक्षा है, मोदी से भारत विश्वगुरू है, मोदी से भारत है और मोदी से हिंदी व हिंदू हैं।

**-हरिशंकर व्यास-**

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल की 31 बेंचों के लिए अधिसूचना जारी-विवाद सुलझाने में तेजी आएगी

- व्यापारियों जीएसटी करदाताओं के लिए अपीलेट ट्रिब्यूनल सस्ते व शीघ्र न्याय का सुनहरा अवसर साबित होगा
- जीएसटी विवादों में अपीलेट ट्रिब्यूनल दूरगामी विवाद निवारण प्रणाली खड़ी करने व समय, पैसे की बचत करने में मील का पत्थर साबित होगी

वैश्विक स्तरपर आज भारत 142 करोड़ जनसंख्या वाला दुनियां का सबसे बड़ा जनसंख्या वाला देश हैइसलिए ही पूरी दुनियां की नजरे भारत पर लगी रहती है कि इतनी बड़ी भारी भरकम जनसंख्या वाला देश अपनी आंतरिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यानें बाहरी स्तरपर कैसे बैलेंस रखकर सफलताओं के झंडे गाड़ते हुए सुविधाओं से दुनियां की पांचवी अर्थव्यवस्था बनाकर अब तीसरे पायदान की ओर बढ़ चुका है एवं वह दिन दूर नहीं होगा जब विश्व की प्रथम अर्थव्यवस्था पर आकर खड़ा होगा, जिसके लिए कुछल नेतृत्व, आंतरिक व बाहरी कमान, दृढ़ संकल्प रणनीतियों के साथ संचालित करना, कोई आसान काम नहीं है परंतु भारत सब करके दिखा रहा है, यही कारण है कि आज दुनियां में भारत की प्रतिष्ठा रुतबा बहुत तेजी से बढ़ रहा है। अगर 142 करोड़ जनसंख्या है तो स्वाभाविक रूप से अनेक क्षेत्रों को नियमित विनियमित करना नेतृत्व का चैलेंजिंग वाला काम है। इन क्षेत्रों में अगर हम एक न्याय क्षेत्र को देखें तो इतनी भारी भरकम जनसंख्या के लिए सिविल, फौजदारी, फैमिली कोर्ट सहित हर क्षेत्र के लिए अलग अपीलेट ट्रिब्यूनल की नियुक्ति करना होता है इस सोच को आगे बढ़ते हुए 2017 में लगाए गए जीएसटी को 6 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अब् जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल का नोटिफिकेशन आज दिनांक 15 सितंबर2023 को जारी किया गया जिससे व्यापारियों जीएसटी करदाताओं में खुशी की लहर छा गई है, क्योंकि इसके पहले विवाद को सीधे हाईकोर्ट में चुनौती दी जाती थी जिसके कारण करदाताओं को समय व पैसा अपेक्षाकृत अधिक लगता था और न्यायालयपर भी अनावश्यक बोझ बढ़ता था जिसका समाधान अपीलेट ट्रिब्यूनलके रूप में किया गया है, जो 28 राज्यों 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 31 अपीलेट बनाने की अधिसूचना जारी की गई। चूंकि इस अधिसूचना से व्यापारिक और जीएसटी करदाताओं के सीधे हित जुड़े हैं इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, जीएसटी विवादों में अपीलीय ट्रिब्यूनल दूरगामी विवाद निवारण प्रणाली खड़ी करने में समय व पैसों की बचत करने में मील का पत्थर साबित होगी।

साथियों बात अगर हम दिनांक 15 सितंबर 2023 को जारी जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल की अधिसूचना की करें तो, 6 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद केंद्र सरकार ने जीएसटीएपीलेट ट्रिब्यूनल स्थापित करने का नोटिफिकेशन जारी किया है। नोटिफिकेशन में बताया गया है कि 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के लिए जीएसटी एपीलेट ट्रिब्यूनल की 31 राज्य पीठों की स्थापना की जाएगी। बता दें मार्च में संसद ने वित्त विधेयक में बदलाव को मंजूरी दी थी, ताकि जीएसटी से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए अपीलेट ट्रिब्यूनल की स्थापना हो सके। वर्तमान में,कर अधिकारियों के फैसले से असंतुष्ट करदाताओं को संबंधित उच्च न्यायालयों में जाना पड़ता है।नोटिफिकेशन के मुताबिक यूपी में सबसे ज्यादा 3 बेंच होंगी। वहीं गुजरात कर्नाटक, राजस्थान,तमिलनाडु और महाराष्ट्र में 2-2 बेंच होंगी। अन्य जगहों पर सिर्फ एक बेंच होगी। दिल्ली को छोड़कर ज्यादातर केंद्र शासित प्रदेशों में कोई स्वतंत्र पीठ नहीं है। उच्च न्यायालय पहले से ही लंबित मामलों के बोझसे दबे हुएहैं और उनके पासजीएसटी मामलों से निपटने के लिए कोई विशेष बेंच नहीं है। इसलिए जीएसटी से जुड़े विवादों की समाधान प्रक्रिया में काफी ज्यादा समय लग जाता है।2017 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स पूरे भारत में लागू किया गया था, लेकिन शिकायतों के निपटारे के लिए कोई उचित एपीलेट मैकेनिज्म नहीं था। ऐसे में जुलाई 2022 में जीएसटी ट्रिब्यूनल्स की स्थापना को लेकर मंत्रियों के एक समूह का गठन किया गया था।सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार और जीएसटी परिषद को बिना किसी देरी के जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण का गठन करने का आदेश दिया था। जीएसटी कानून को पारित किए हुए छह साल बीत चुके हैं लेकिन जीएसटीएटी का गठन नहीं किया गया था। इसकी अनुपस्थिति में करदाताओं को उच्च न्यायालयों में रिट याचिकाओं का सहारा लेना पड़ रहा था, जिसने करअनुपालन प्रणाली में अनिश्चितता को जन्म दिया था। हालांकि जीएसटी कानून को लागू किए जाने के तुरंत बाद ही जीएसटीएटी को अधिसूचित कर दिया गया था, लेकिन इसके बाद सितंबर 2019 में मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा आगे की कार्रवाई पर रोक लगाए जाने के बाद, इसके गठन की प्रक्रिया वहीं थम गई। इस मामले में केंद्रीय मुद्दा जीएसटीएटी पीठ की सदस्यता का था। प्रस्तावित रूप से, जीएसटीएटी की हर पीठ में तीन सदस्य नियुक्त किए जाने थे, केंद्र और राज्य सरकारों के दो प्रतिनिधि, और कानून यान्यायिक सेवा में अनुभव वाले एक सदस्य।इस विषय पर अब तक विकसित हुई न्यायिक समझ के अनुसार, उन मामलों में जहाँ न्यायिक क्षेत्राधिकार न्यायाधिकरणों को सौंपा जाता है वहाँ न्यायाधिकरण पीठ की सदस्यता इस तरह होनी चाहिए ताकि राज्य की कार्यपालक शाखा के प्रतिनिधियों की संख्या, न्यायिक सेवा के प्रतिनिधियों से ज़्यादा न हो। इसका उद्देश्य विवाद निवारण प्रणाली की निष्पक्षता सुनिश्चित करना है क्योंकि इस तरहके न्यायाधिकरणों के सामने आने वाले मामले अक्सर सरकारी विभागों के खिलाफ दायर किए गए होते हैं। पिछले छह वर्षों में केंद्र और राज्य सरकारें इस कश्मकश को दूर करने में विफल रही थी। वकीलों को न्यायिक सदस्यों के दायरे से बाहर रखा जा सकता है या नहीं, यह मुद्दा भी इस न्यायिक मामले के तहत विचाराधीन था।

साथियों बात अगर हम अपील ट्रिब्यूनल के लिए रुप ऑफ मिनिस्टर गठन की करें तो बीते वर्ष जुलाई में बनाए गए रुप आफ मिनिस्टर्स में कुल छह सदस्य थे जिनमें अध्यक्ष के तौर पर हरियाणा के डिप्टी सीएम के अलावा आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री, गोवा के उद्योग मंत्री, राजस्थान के कानून एवं वैधानिक मामलों के मंत्री, उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री और ओडिशा के वित्तमंत्रीशामिल थे। ग्रुप आफ मिनिस्टर्स ने जीएसटी ट्रिब्यूनल के गठन को लेकर चर्चा करने के लिए कई बैठकें की और केंद्रीय वित्तमंत्री की अध्यक्षता वाली जीएसटी काउंसिल को अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसी रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार ने गजट नोटिफिकेशन जारी कर सभी राज्यों में जीएसटी ट्रिब्यूनल की न्यायपीठ स्थापित करने के आदेश जारी किए हैं। बता दें कि 28 जून को जीएसटी काउंसिल ने जीएसटी ट्रिब्यूनल बनाने के प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी थी।

साथियों बात अगर हम जीएसटीएटी को व्यापारिक व करदाताओं के लिए एक सुनहरे अवसर के रूप में देखने की करें तो, सुनहरा अवसर इस कश्मकश में केंद्र और राज्य सरकारें समाधान पर पहुंची है जीएसटीएटी के गठन को डिजिटल रूप से स्वदेशी, अगली पीढ़ी की दूरगामी विवाद निवारण प्रणाली खड़ी करने के एक सुनहरे अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, जिसके ज़रिए देश के अन्य न्यायाधिकरणों और न्यायालयों के लिए नए मापदंड स्थापित किए जा सकते हैं। नए जीएसटीएटी को जीएसटीएन द्वारा डाली गई बुनियाद से शुरू किया जाना चाहिए, जो अब बड़ी पैमाने पर डेटा संभालने वाला, एक लाइव और स्थिर प्लेटफॉर्म बन चूका है। करदाताओं के अधिकारों और केंद्र व राज्य सरकारों के कर-संबंधी हितों की रक्षा करने के लिए, अगली पीढ़ी के तकनीकी ढांचे पर टिका, एक मज़बूत और नियम-आधारित न्यायाधिकरण बनाया जाना एक अनिवार्य कदम है। जीएसटी द्वारा लाए गए आमूलचूल परिवर्तनों को और इसके अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे भरपूर प्रयासों को देखते हुए, यह स्वाभाविक है कि आने वाले वर्षों में इसको लेकर मामलों मुकदमों में तेज़ी आएगी। एक प्रभावी न्यायाधिकरण स्थापित करने का यही सही समय है, इससे पहले की मामले-मुकदमों की संख्या नियंत्रण से बाहर हो जाए। दूसरे न्यायाधिकरणों और न्यायालयों के अनुभवों से सबक सीखना भी ज़रूरी है, ताकि उनकी गलतियों को दोहराया न जाए।

साथियों बात अगर हम जीएसटी सुधारो, करदाताओं का आधार बढ़ाने, नियम कड़े करने की करें तो, मीडिया के अनुसार विभाग अभी करदाताओं का आधार बढ़ाने के लिये काम कर रहा है। फिलहाल कॉरपोरेट इनकम टैक्स देने वालों में से सिर्फ 40 फीसदी ही जीएसटी के तहत पंजीकृत हैं, ऐसे में विभाग जीएसटी में पंजीकृत कंपनियों की संख्या बढ़ाने के उपायों पर गौर कर रहा है, इसके लिए कॉरपोरेट इनकम टैक्स देने वालों के डेटाबेस का अध्ययन किया जा रहा है। जीएसटी रजिस्ट्रेशन में गड़बड़ियों की संभावनाओं को देखते हुए, कुछ कंपनियों नियमों का दुरुपयोग कर रही हैं, ऐसे में पंजीकरण के नियमों को कड़ा बनाने पर विचार करना समय की मांग है। फर्जी पंजीकरण को पकड़ने के लिए केंद्र और राज्यों के कर अधिकारी मिलकर अभियान चला रहे हैं, इस अभियान में 13,900 करोड़ रुपये की चोरी से जुड़े 45,000 फर्जी जीएसटी पंजीकरण जांच के दायरे में हैं। इसके अलावा, अधिकारियों ने 1,430 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट का गलत तरीके से लाभ लेने को भी रोका है। बता दें कि अभी जीएसटी के तहत 1.39 करोड़ कंपनियां पंजीकृत हैं। यह एक जुलाई, 2017 को जीएसटी की शुरुआत के समय की संख्या के मुकाबले लगभग दो गुणा है। इस दौरान हर महीने का औसत मासिक जीएसटी कलेक्शन भी बढ़ा है। जहां 2017-18 में यह 89,885 करोड़ रुपये रुपये था, वह 2022-23 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है।चालू वित्त वर्ष में अब तक औसत कलेक्शन 1.69 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल की 31 बेंचों के लिए अधिसूचना जारी - विवाद सुलझाने में तेजी आएगी।व्यापारियों जीएसटी करदाताओं के लिए अपीलेट ट्रिब्यूनल सस्ते व शीघ्र न्याय का सुनहरा अवसर साबित होगा।जीएसटी विवादों में अपीलेट ट्रिब्यूनल दूरगामी विवाद निवारण प्रणाली खड़ी करने व समय, पैसे की बचत करने में मील का पत्थर साबित होगी।

**किशन सनमुख़दास भावनानी**
गोंदिया महाराष्ट्र

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

**समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।**

# धूमधाम से की गई देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शहर सहित सरगुजा संभाग में देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना रविवार को आस्थामय वातावरण में धूमधाम से की गई। मुख्य कार्यक्रम अंबिकापुर के मैरिन ड्राइव स्थित विश्वकर्मा मंदिर में हुआ। इस दौरान सृजन व निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर भक्तों ने सुख-समृद्धि व धन-धान्य की कामना की।

जिले में विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से मनाया गया। शहर के मैरिन ड्राइव स्थित भव्य व विशाल विश्वकर्मा मंदिर में रविवार की सुबह से ही मंदिर में देवशिल्पी की पूजा करने श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। समाज के लोगों द्वारा अपने आराध्य भगवान विश्वकर्मा की विशेष पूजा-अर्चना

की गई। श्रद्धालुओं द्वारा अगरबत्ती, नारियल व मिठाइयों का भोग भगवान को लगाया गया।

मंत्रोच्चारण के साथ पुजारी द्वारा हवन कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इसमें समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हवन के बाद मंदिर परिसर में ही विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का प्रसाद काफी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया। इधर दोपहर से ही समाज के लोगों द्वारा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जो शाम तक चलता रहा।शाम को महाआरती हुई। इसमें काफी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। शहर के गैरेजों व फब्रिकेशन का काम करने वाले दुकानों के संचालकों द्वारा भी भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना धूमधाम से की गई। इसके लिए सुबह से ही दुकानों व गैरेजों की साफ-सफाई कर आकर्षक साज-सज्जा की गई थी।

### कल होगा विसर्जन

सोमवार को शहर में भजन-कीर्तन के साथ भगवान विश्वकर्मा की शोभायात्रा निकाली जाएगी। वहीं विभिन्न जगहों पर स्थापित देवशिल्पी की प्रतिमा का भी विसर्जन किया जाएगा।

### मायापुर गुलमोहर में वृहद भंडारा

देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा पूर्व पार्षद विजय सोनी के निवास मायापुर गुलमोहर में भव्य तरीके से की गई। आस्था से सराबोर माहौल में वृहद भंडारे का आयोजन भी किया गया था, जो पूरे दिन अनवरत चला रहा। प्रतिवर्ष मायापुर गुलमोहर में यह आयोजन भव्य तरीके से कराया जाता है। इस वर्ष भी वृहद भंडारे के साथ-साथ उपस्थित लोगों को उपहार भी भेंट किया गया।

# परिजन ने लगाया पति पर नव विवाहिता को जहर देकर हत्या करने का आरोप

» पत्नी की मौत के बाद पति ने भी किया जहर सेवन, निजी अस्पताल में भर्ती

- संवाददाता -
अम्बिकापुर ,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

नव विवाहिता को दहेज के लिए मारपीट कर जबरन जहर खिलाकर कर हत्या करने का आरोप परिजनों ने पति पर लगाया है। नव विवाहिता की मौत के बाद दंडाधिकारी के समक्ष बयान दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कराया गया। आगे की जांच की जा रही है।वही पत्नी की मौत के बाद पति ने भी जहर सेवन कर लिया, जिसे शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

दरअसल पूरा मामला बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम अमदरी का है, जहां रहने वाले बालसुरत का विवाह चार माह पूर्व सरगुजा जिले के धौरपुर निवासी प्रीति यादव के साथ सामाजिक रीति

रिवाज से हुआ था।शादी के लगभग दो माह बाद ही पति बालसूरत द्वारा दहेज की मांग कर प्रीति के साथ मारपीट किया जाता था।प्रीति मायके पहुंचकर अपने मामा प्रकाश को सारी बाते बताई थी,जिसके बाद परिजनों ने प्रीति के पति से मिलकर समझाइस दी जिसपर बालसूरत ने मारपीट नही करने का आस्वासन दिया था,मगर कुछ दिनों बाद फिर मारपीट करने लगा।बीते 14 सितंबर को प्रीति के मामा प्रीति के घर पहुंचे जहां प्रीति के हाथ पैर और चेहरे में चोट के निशान के साथ गले मे नाखून लगने का निशान था, जहां प्रीति ने अपने मामा को बताया कि उसके साथ दहेज को लेकर उसका पति बालसूरत के द्वारा मार पीट कर उसे जबरन उसे जहर खिलाया गया है। जिसके बाद परिजन प्रीति को लेकर स्थानीय अस्पताल पहुंचे ,जहां से उसे शहर के निजी अस्पताल अंबिकापुर लाकर भर्ती कराया गया था ।प्रीति की तबीयत ज्यादा खराब होने पर उसे रेफर कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाया गया, जहां प्रीति की मौत हो गई है। प्रीति के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रीति के पति के द्वारा दहेज की मांग को लेकर मारपीट किया जाता था। इसके साथ ही परिजनों ने आरोप लगाया है की प्रीति के पति के द्वारा मारपीट कर ही उसे जहर खिलाया गया है और उसका इलाज नहीं कराया जा रहा था, जिससे प्रीति की मौत हो गई है वही प्रीति के ससुर कामेश्वर यादव ने बताया की घर में होने वाली लड़ाई झगड़े के बारे में उसे कोई जानकारी नहीं है फिलहाल उसका बेटा आज देर सुबह जहर सेवन कर लिया है जिसका उपचार शहर के नीचे अस्पताल में चल रहा है नव विवाहिता की मौत के बाद पुलिस ने दंडाधिकारी के समक्ष बयान और पंचनामा कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है, और मामले की जांच में जुट गई है।

## विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर ग्राम कतकलो में नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने रविवार को विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर ग्राम कतकलो में नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया। पूर्व में यह उप स्वास्थ्य केंद्र किराये के मकान में लग रहा था। करीब 28 लाख रुपए की लागत से निर्मित बहन के उदघाटन के साथ कतकलो के इस उप स्वास्थ्य केंद्र को स्वयं का विस्तारित भवन मिल गया है। भवन के उद्घाटन के दौरान ही एक

गर्भवती महिला का एडमिशन इस उप स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के लिए हुआ। उद्घाटन के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने बताया कि हाल के 2 वर्षों के दौरान लुचकी से दरिमा के मध्य स्वास्थ्य सुविधाओं का बड़ा ढांचागत विस्तार किया गया है। इस दौरान इस क्षेत्र में 3 नए उप स्वास्थ्य केंद्र और करजी में 1 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना हुई है। दरिमा में नया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निर्माणाधीन है। उप स्वास्थ्य केन्द्र के लोकार्पण के उपरांत जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने कतकलो में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत बनने वाले सड़क का भूमिपूजन भी किया। इस सड़क के बन जाने से दरिमा रोड से कतकलो हायर सेकंडरी स्कूल, मौसम विज्ञान केंद्र, पंचायत भवन तक का मार्ग मुख्य बस्ती के साथ यातायात के लिए सुगम हो जायेगा। आज के इस लोकार्पण और भूमिपूजन कार्य के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता, पारस राजवाड़े, मो अनवर, रामसाय राजवाड़े के साथ ही ग्राम कतकलो, खाला, कंठी और नवा बांध के सरपंच और ग्रामीण भी मौजूद थे।

## स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छता संवाद, शपथ सहित स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत होने वाली गतिविधियों की सचिवों को जानकारी दी गई और स्वप्रेरणा से श्रमदान करने के साथ स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

स्वच्छता ही सेवा-2023 स्वेच्छा और श्रमदान की भावना के साथ-साथ सफाई मित्रों के सहयोग से स्थानीय निकायों में संपूर्ण स्वच्छता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी और ग्रामीण द्वारा संयुक्त रूप से 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2023 के बीच वार्षिक स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े का उद्देश्य भारतीय स्वच्छता लीग 2.0, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर और सामूहिक स्वच्छता अभियान जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से देश भर में करोड़ों नागरिकों की भागीदारी जुटाना है। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों का चिन्हांकन किया गया है। इसके लिए लोगों को आदत परिवर्तन के लिए भी लगातार प्रेरित किया जाएगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के सभी सार्वजनिक स्थल में श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई की जानी है। सभी स्वच्छता परिसंपत्तियों का सुधार, पेंटिंग, सफाई व ब्रांडिंग भी हो रही है। साथ ही स्वच्छता प्रतियोगिता, पौधरोपण, स्वच्छता शपथ, का आयोजन हो रहा है। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर के मध्य सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन एवं केन्द्र पोषित योजना में लाभ हेतु सिंगल विंडो वेलफेयर कैंप व हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत पंचायत प्रतिनिधियों से स्वच्छता संवाद एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान का ब्राउज़र पम्पलेट, पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

समाचार क्रमांक 81/2023 -

» 15 से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, कचरा मुक्त भारत थीम पर हो रहे विभिन्न आयोजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना अंतर्गत 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2023 तक ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2023 के थीम कचरा मुक्त भारत के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हो रहा है।

इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन और सीईओ जिला पंचायत के निर्देशन में गत शनिवार को जनपद पंचायत अंबिकापुर के सभाकक्ष में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम अंतर्गत स्वच्छता संवाद सह शपथ तथा स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम किया गया। स्वच्छता संवाद का आयोजन अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्राम सचिवों की उपस्थिति में शुरू किया गया। इसमें ग्राम पंचायतों में

## ओजोन परत के बचाव हेतु होली क्रॉस वीमैंस कॉलेज की भूगोल की छात्राओं ने लगाई गुहार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विश्व ओजोन दिवस पर होलीक्रॉस वीमेंस कॉलेज के भूगोल विभाग की छात्राओं ने एक रैली के माध्यम से ओजोन बचाओ पृथ्वी बचाओ जैसे नारे लगाकर महाविद्यालय से लेकर शहर तक जाकर रैली के माध्यम से गुहार लगाई, बीए द्वितीय वर्ष की सिद्धि प्रजापति ने ओजोन दिवस मनाए जाने की वजह और ओजोन परत की महत्ता पर छात्राओं के बीच जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय परिसर व उसके बाहर जाकर इन नवयुवतियों की आवाज गूंज रही थी ,क्योंकि इनका उद्देश्य कुछ पाना नही बालिक लोगों को जगाना था। भूगोल विभाग की पी.जी.और यू.जी.की छात्राओं ने इस रैली की रूपरेखा तैयार की । विभागाध्यक्ष डॉक्टर सीमा मिश्रा और सा.प्रा.सुश्री मनीषा राजवाड़े के निर्देशन में तथा सा.प्रा.राजनीति शास्त्र रीतू दास के सहयोग से एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डा.सिस्टर शांता जोसेफ के मार्गदर्शन व संरक्षण में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ, भूगोल के अलावा दूसरे विषय की छात्राओं की स्वेच्छा से इस कार्यक्रम में सहभागिता इस कार्यक्रम का आकर्षण रही।

## मापका ने किया श्रद्धांजलि सभा एवं शहीद मेला का आयोजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना) ।

पूर्व घोषणा के अनुरूप एवं विगत लगभग 32 - 33 वर्षों की भांति इस वर्ष भी शहिद कवल साय. पिछरी बाई को विनम्र श्रद्धांजलि देने हेतु श्रद्धांजलि सभा का, एवं शहीद मेला का आयोजन लंडरा क्षेत्र के ग्राम राई के सती टिकरा मैं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा किया गया.सभा में मुख्य अतिथि मजदूर एवं सीपीएम नेता जीएस सोड़ी ने कहा कि हमारे देश में पूंजी पत्तियों का शिकंजा और भी ज्यादा कसता जा रहा है चाहे औद्योगिक क्षेत्र हो या रेल, भेल, बीएसएनल चाहे कोई भी सार्वजनिक,कल कारखाना हो सभी को पूंजी पतियों के हवाले किया जा रहा है.और सार्वजनिक क्षेत्र को समाप्त किया जा रहा है. पूरे देश में आदिवासियों, दलितों का उत्पीड़न हद से ज्यादा बढ़ गया है.महिलाओं की बेइज्जती इस समय जितनी हुई है उतनी कभी भी नहीं हुई थी.चाहे वह बीजेपी हो या कांग्रेस दोनों ही इन सब मामलों में एक समान ही है उन्होंने कहा कि हमें ऐसे शासन व्यवस्था की जरूरत है जो न्याय, कानून,समानता भाईचारा के सिद्धांत का पालन करते हुए प्रजातांत्रिक ढंग से देश को आगे बढ़ाएं.और यह काम केवल और केवल मार्क्सवाड़ी कम्युनिस्ट पार्टी ही कर सकती हैं.उन्होंने कहा कि ये सब पूंजी पतियों की पार्टीयां हैं इन्हें हटाकर जनवादी सरकार स्थापित करना अभी देश की जनता के सामने में सबसे बड़ा लक्ष्य है.सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ साथी सी पी शुक्ला ने इस क्षेत्र की बहादुर जनता की तारीफ की और उन्होंने शुरू से लेकर अंत तक के संघर्ष की कहानी को बयां किया. उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सामंतो साहूकारों के शोषण उत्पीड़न का क्षेत्र था आज की इस मेले की उपस्थिति बताती है कि लोगों का किस कदर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति प्यार और मोहब्बत है.ज्ञात हो कि इस मेले में हजारों की संख्या में आमजन की उपस्थिति थी सभा को साथी अनंत सिंहां,गंगा प्रसाद यादव, किसान नेता पियरसिग, माधव सिंह, आदि ने भी संबोधित किया. सभा का संचालन साथी ऋषि कुमार गुप्ता द्वारा किया गया।

## अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 में हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत दूसरे की हालत गंभीर

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित कमल फ्यूल के पास ट्रैक्टर और बाइक में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं दूसरे युवक की हालत गंभीर होने पर

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रजपुरी और लपपटरा के बीच कमल फ्यूल के पास 17 सितंबर दिन रविवार के दोपहर लगभग 3:30 बजे मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 ष्ठ 6839 में सवार होकर अंबिकापुर से लखनपुर की ओर जा रहे थे। लखनपुर से अंबिकापुर की ओर आ रहे हैं ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 15 ष्ठत 4322 में बाइक सवार जा टकराए ट्रैक्टर का पहिया युवक के ऊपर चढ़ने और सर में चोट लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया परिवर्तन यात्रा में शामिल होने जा रहे भाजपा नेताओं के द्वारा तत्काल लखनपुर पुलिस को इसकी सूचना दी गई। लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार हेतु लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आये। सर में चोट लगने और पैर टूटने पर डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार उपरांत घायल युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। पुलीस ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर मरचुरी में रखवाया है। मृतक युवक और घायल की पहचान में लखनपुर पुलिस जुटी हुई है। प्रत्यक्ष दर्शियों द्वारा बताया गया कि बाइक सवार युवक नशे की हालत में थे और काफी तेज गति से वाहन चलाते हुए ट्रैक्टर वहांन से जा टकराए।

## चोरी के ट्रेक्टर सहित 1 आरोपी को थाना विश्रामपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

आज ग्राम केशवनगर निवासी विद्याराम ने थाना विश्रामपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि बीते दिन अपने ट्रेक्टर को घर के सामने खड़ा किया था जिसे किसी अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया है। रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध धारा 379 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने अज्ञात चोर की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। थाना विश्रामपुर पुलिस के द्वारा मामले की विवेचना करने के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि सिलफिली जंगल मेन रोड़ के किनारे एक संदिग्ध व्यक्ति महिन्द्रा ट्रेक्टर को बार-बार स्टार्ट करने की कोशिश कर रहा है, सूचना पर पुलिस टीम फौरन मौके पर पहुंची जहां संदेही भोला राजवाड़े पिता मटकू राम उम्र 24 वर्ष ग्राम सुंदरगंज चौकी लटोरी को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि शनिवार को सूरजपुर से लौटते वक्त ग्राम केशवनगर में ट्रेक्टर को खड़ा देख उसे चुराकर अम्बिकापुर ले जाकर बेचने की योजना बनाकर ट्रेक्टर को चोरी कर चलाते हुए सिलफिली जंगल तक आया जहां ट्रेक्टर बंद हो गया जिसे कई बार

स्टार्ट करने की कोशिश करने पर भी स्टार्ट नहीं हुआ। मामले में चोरी का महिन्द्रा ट्रेक्टर क्रमांक सीजी 15 डीएच 1122 कीमत 3 लाख 25 हजार रूपये का जप्त कर आरोपी भोला राजवाड़े को गिरफ्तार किया गया।

कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विश्रामपुर अलरिक लकड़ा, एएसआई सोहन सिंह, शशि शेखर तिवारी, प्रधान आरक्षक रामनिवास तिवारी, इन्द्रजीत सिंह, अविनाश सिंह, दरश देवांगन, विकास सिंह, आरक्षक अखिलेश पाण्डेय, जय प्रकाश यादव, खेलसाय, अजय प्रताप, रविशंकर पाण्डेय, दीपक सिंह, योगेश व महिला आरक्षक द्रोपदी राजवाड़े सक्रिय रहे।

# यादव का ये वायरल वीडियो बन सकता है मुसीबत

## चंद्रपुर से कांग्रेस विधायक रामकुमार यादव का वीडियो वायरल होने पर भाजपा नेता और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने ट्वीट कर तंज कसा

### अजय चंद्राकर ने वीडियो वायरल कर छत्तीसगढ़ की राजनीति में लाया भूचाल

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में अभी दो महीने शेष बचे हैं और वहीं विपक्ष को अब बैठे बिठाए मुद्दा मिल गया है। चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस विधायक का एक के बाद एक स्टिंग वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो हुआ, जिसे लेकर अब विपक्ष के नेताओं की प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। चंद्रपुर से कांग्रेस विधायक रामकुमार यादव का वीडियो वायरल होने पर भाजपा नेता और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने ट्वीट कर तंज कसा।

पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पार्टी से सवाल करते हुए तंज कसा कि मुख्यमंत्री से पूछा कि इस वीडियो की सच्चाई क्या है? आपको खुद सामने आकर बताना चाहिए। वहीं विधायक के इस वायरल वीडियो पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने भी ट्वीट किया। कहा कांग्रेस विधायक जी के सामने रख नोटों की गाड़ी वाले इस वीडियो को स्वीकार करेगी या वीडियो पर कोई संदेह है तो जांच के लिए सीबीआई को सौंपने का साहस दिखाएगी? या फिर कोयले वाले वीडियो की तरह मेरे ऊपर एफआईआर दर्ज कराएगी? कांग्रेस ने साजिश बताया सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बीजेपी श्वष्ठ की कार्रवाई में नाकाम रही. अब साजिश रचकर कांग्रेस सरकार को बदनाम करने में लगी है. पहले कोयला घोटाले में विधायक के यहां ईडी की जबरन कार्रवाई की गई. अब तक घोटाले का कोई ठोस सबूत नहीं पेश कर सकी है।

**रायपुर,17 सितम्बर 2023(ए)।**
छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में अभी दो माह शेष हैं। वहीं विपक्ष को एक और मुद्दा मिल गया है। चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस विधायक का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

इसे लेकर विपक्ष के नेताओं की प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। चंद्रपुर से कांग्रेस विधायक रामकुमार यादव का वीडियो वायरल होने पर भाजपा नेता और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने ट्वीट कर तंज कसा।

पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पार्टी से सवाल करते हुए तंज कसा कि मुख्यमंत्री से पूछा कि इस वीडियो की सच्चाई क्या है? आपको खुद सामने आकर बताना चाहिए। वहीं विधायक के इस वायरल वीडियो पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने भी ट्वीट किया। कहा कांग्रेस विधायक जी के सामने रख नोटों की गाड़ी वाले इस वीडियो को स्वीकार करेगी या वीडियो पर कोई संदेह है तो जांच के लिए सीबीआई को सौंपने का साहस दिखाएगी? या फिर कोयले वाले वीडियो की तरह मेरे ऊपर एफआईआर दर्ज कराएगी?

दरअसल, वायरल वीडियो में तानाखार विधायक मोहितराम केरकेट्टा से एक शख्स काम नहीं मिलने पर एडवांस में दिए पैसे वापस मांग रहा है। वायरल वीडियो में विधायक जी दलील देते नजर आ रहे हैं कि डीएमएफ मद से 10-10 लाख रुपए के 10 बिल्डिंग की मांग की है, लेकिन कर ही नहीं रहा है, ज्यादा लड़ाई करेंगे तो मुख्यमंत्री के पास शिकायत करेगा।

## बघेल ने पीएम मोदी को दी जन्मदिन की बधाई

**रायपुर,17 सितम्बर 2023(ए)।**
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज यानी रविवार को जन्मदिन है। पीएम मोदी के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर उनको बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि, देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन पर शुभकामनाएं, आपके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूँ।

# इसरो के एलएमवी-3 के अंदर विराजेंगे गणपति बप्पा

» **राजधानी में गणेशोत्सव की तैयारियां अंतिम चरणों में**

**रायपुर,17 सितम्बर 2023(ए)।**
19 सितंबर से प्रारंभ होने वाले गणेशोत्सव के लिए राजधानी में जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। शहर के चौक-चौराहों में थीम बेस्ड बड़ी और भव्य गणेश पंडाल तैयार की जा रही हैं। अधिकांश स्थानों पर पंडालें तैयार हो चुकी हैं और सजावट के काम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं मूर्तिकार भी प्रतिमाओं को फाइनल टच देकर गणेशोत्सव समतियों को दे रही है। शहर के कालीबाड़ी चौक में चंद्रयान मिशन की सफलता को आधार मानते हुए गणेशोत्सव समिति ने एलएमवी रॉकेट का प्रतिरूप पंडाल के रूप में तैयार कराया है।

राजधानी में मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की धूम न केवल पूरे छत्तीसगढ़ में है बल्कि देशभर में भी रायपुर का नाम इस उत्सव के लिए प्रमुखता से लिया जाता है। गणेशोत्सव को खास तरह से सेलिब्रेट करने की वजह से रायपुर का नाम काफी प्रसिद्ध हो चुका है। इसकी एक वजह यह भी है कि रायपुर में मनाई जाने वाली गणेश उत्सव किसी खास विषय पर केन्द्रित कर मनाई जाती है। इस वर्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

(इसरो) की चंद्रयान 3 की सफलता का जश्न पूरे देश में मनाया जा रहा है। कालीबाड़ी गणेशोत्सव समिति ने इसरो की इस सफलता को और अधिक सेलिब्रेट करने के उद्देश्य से एलएमवी (लांच व्हीकल मार्स) की तरह पंडाल तैयार कराया है। इस पंडाल में प्रवेश करने के बाद श्रद्धालुओं को एक खास तरह का अनुभव होगा। इसी एलएमवी-3 के अंदर बप्पा की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। आयोजकों के अनुसार इस बार यहां गणेश जी का दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को अंतरिक्ष का अनुभव कराने के उद्देश्य से इस तरह का पंडाल तैयार किया गया है।

### तरह-तरह की प्रतिमाएं :

राजधानी रायपुर में इस बार गणेश जी की प्रतिमाओं को विविध रूपों में तैयार किया गया है। फल-फूल, सब्जियां, भौरा, रेत बांटी, गिल्ली-डंडा, कॉफी बीज, विभिन्न तरह की अनाजों और फलाहारी से गणेश जी की शानदार और अनूठी प्रतिमाएं तैयार की गई है। शहर के एक परिवार ने सब्जियों के बीजों से प्रतिमाएं तैयार की है। इसमें कद्दू, सूरजमुखी, कलिंदर, खरबूजा, मेथी, करेला के बीज से भी प्रतिमाएं तैयार की गई है। वहीं कलरफूल पेपर क्राफ्ट से भी गणेश जी की प्रतिमाएं तैयार हुई हैं।

# मां समेत दो बच्ची नदी में बही

» **बस्तर फाइटर ने एक मासूम की बचाई जान,**

» **दो अब भी लापता**

**जगदलपुर,17 सितम्बर 2023(ए)।**
छत्तीसगढ़ में बीते दिनों सभी क्षेत्रों में भारी बारिश हुई थी जिसके बाद प्रदेश की नदी नाले उफान पर है और इसी के चलते आज एक बड़ा हादसा हुआ है। जिसमें नारंगी नदी में मां समेत दो बच्ची बह गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। नदी में बहे तीन लोगों में से एक बच्ची को रेस्क्यू कर पानी से बहार निकाल लिया गया है. बच्ची पूरी तरह से सुरक्षित है. वहीं पानी में डूबे मां और बच्ची की खोज जारी है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना भानपुरी थाना क्षेत्र के अमलीगुड़ा एनिकट की है। तीनों मां बेटी नारंगी नदी में तेज बहाव के बीच एनीकट के ऊपर से पार हो रहे थे तभी अचानक तीनों तेज बहाव में बह गए. बताया जा रहा है कि मां चेरो कश्यप, बेटी सखी और परी कश्यप एनीकट के रस्ते नदी पार कर बैगा के घर जा रहे थे। घटन की सूचना पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम तीनों की तलाश में जुट गई। वहीं बस्तर फाइट के जवान रुपनाथ बघेल ने नदी में बही बच्ची परी कश्यप को बचा लिया है. बाकि मां और बेटी को कोई पता नहीं चल सका है, दोनों की खोजबीन जारी है

### एशिया की सबसे बड़ी खदान में कोयला परिवहन हुआ बाधित

## एक शिफ्ट इंचार्ज के अयिल रवैये के विरोध में ऑपरेटरों ने खड़े कर दिए वाहन

**कोरबा ,17 सितम्बर 2023(ए)।**
एशिया की सबसे बड़ी गेवरा-दीपका कोयला खदान में से एक दीपका एक्सपेंशन प्रोजेक्ट में आज 240 और 120 टन की डंपरों के पहिए थम गए। ऑपरेटरों का कहना है कि शिफ्ट इंचार्ज एनके साहू के द्वारा कामकाज को लेकर अड़यिल रवैया अपनाया जा रहा है, जिससे ऑपरेटर परेशान हैं। कोयले का परिवहन रोक दिए जाने से एसईसीएल को करोड़ों का नुकसान हुआ है।

### पहली पारी में परिवहन रहा बाधित

दरअसल एसईसीएल की कोयला खदानों में कोयले का परिवहन विशालकाय 240 और 120 टन के डंपरों में होता है। इन वाहनों को चलाने वाले ऑपरेटरों का कहना है कि शिफ्ट इंचार्ज एनके साहू ने प्रथम पाली में 2:00 बजे तक डंपर को चलाने का आदेश जारी किया है, 2:00 बजे तक डंपर चलाने से हार्ड स्टैंड से एमटीके तक पहुंचने में करीब 1 घंटे का समय और बीत जाता है जबकि शिफ्ट का समय 2:00 बजे तक का ही है। इस मुद्दे को लेकर ऑपरेटर और प्रबंधन के बीच तनातनी हो गई। इसके बाद शिफ्ट इंचार्ज ने कह दिया कि जिन्हें काम करना है, वह करें वरना अपना हाजिरी आउट कर बाहर जा सकते हैं। ऑपरेटर इस बात से नाराज हो गए और डंपरों को खड़ा कर हड़ताल पर बैठ गए।

बता दें कि आज सुबह 6:00 बजे से लेकर 2:00 बजे तक के प्रथम पाली में 240 टन 120 टन और शॉवेल मशीन के पहिए थमे रहे, जिससे कि एसईसीएल प्रबंधन को करोड़ों का नुकसान हुआ है। क्षेत्रीय खान सुरक्षा सदस्य फैयाज अंसारी ने आरोप लगाया कि शिफ्ट इंचार्ज द्वारा श्रमिकों से अभद्र व्यवहार किया जाता हैं, वहीं सुरक्षा के नियमों का पालन भी नहीं किया जा रहा है। ऑपरटरों का कहना है कि जब तक शिफ्ट इंचार्ज को हटाया नहीं जाएगा, तब तक हम अपनी बातों पर अडिग रहेंगे।

# हरियाणा से छत्तीसगढ़ आकर एटीएम से 70 लाख उड़ाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

» **सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पकड़ में आये शातिर**

**दुर्ग,17 सितम्बर 2023(ए)।**
जिले में 26-27 अगस्त 2023 की दरम्यानी रात में करीब एक बजे से रात्रि 02:00 बजे के बीच हाउसिंग बोर्ड शॉपींग कॉम्पलेक्स, बोरसी स्थित एसबीआई बैंक का ए.टी.एम. बूथ एवं हुडको भिलाई स्थित एसबीआई बैंक के 02 एटीएम बूथ में अज्ञात चोरो ने ए.टी.एम. बूथ के गेट खोलकर अंदर प्रवेश कर एटीएम मशीन के लोहे के पैनल को गैस कटर से काट कर 21 लाख 54 हजार 500 रूपये व 48 लाख 47 हजार 300 रूपये कुल रकम 70 लाख 01 हजार 800 रूपये को चोरी कर ले गये थे। ए.टी.एम. मषीनों में आग लगाकर-तोड़फोड़ कर लोक संपत्ति को नुकसान पहुंचाये, उपरोक्त घटनाओं पर से थाना पद्यमनाभपुर में अपराध दर्ज किया गया।

### देश के अनेक राज्यों में की वारदातें

पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया और एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाला। सीसीटीवी में एक बलेनो कार में सवार 4 युवक चोरी करते दिखे। तकरीबन 250 सीसीटीवी कैमरो के फुटेज के आधार पर गिरोहों के बारे में जानकारी एकत्रित की गई। जांच के दौरान आरोपियों की उपस्थिति हरियाणा

मेवात में होना पाया गया। साथ ही पता चला कि अंतर्राज्यीय एटीएम चोर गिरोह में शामिल 2022 में ठाणे मुम्बई पुलिस स्टेशन, असम एवं तमिलनाडू में पकड़े गये मेवाती गिरोह के आरोपी निसार खान, नसीम खान निवासी पेमाखेड़ा जिला नूह हरियाणा ने ही दुर्ग में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। दुर्ग पुलिस ने एसीसीयू प्रभारी के नेतृत्व में 2 टीमें बनाकर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मेवात हरियाणा रवाना किया।

### पकड़ में आये आरोपियों ने किया ये खुलासा

टीम को हरियाणा गुड़गांव मॉल के पास आरोपी निसार खान को पकड़ने में सफलता मिली और दूसरे आरोपी सरबाज खान को भी गुड़गांव मॉल के आस-पास से ही गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर निसार खान ने बताया कि उसकी बलेनो कार में नसीम खान एवं सरबाज खान तीनों 24 अगस्त को छग के लिय रवाना हुए। रास्ते में सागर के होटल में रात में रुके और 25 अगस्त को कामठी नागपुर आकर अपने साथी आरिफ के साथ रुके थे।

### एम्बुलेंस से की सिलेंडर की चोरी

26 अगस्त को आरिफ को साथ लेकर उसके बताये अनुसार दुर्ग आये और एलपीजी सिलेण्डर खरीद दुर्ग जिला अस्पताल के एम्बुलेंस से ऑक्सीजन सिलेण्डर चोरी किये। आरिफ के द्वारा घटना स्थल ले जाने पर अपने साथ लाये गये पाईप, बर्नर, एलपीजी सिलेण्डर एवं गैस सिलेण्डर के माध्यम से बोरसी दुर्ग में एक एटीएम को गैस कटर से काटकर पैसा चोरी किये। इसके बाद भिलाई में दूसरे एटीएम को भी गैस कटर से काटकर यहां भी वारदात को अंजाम दिये। इसके बाद दोनों एटीएम में आग लगा कर फरार हो गए।

### 70 लाख की चोरी, बरामद हुए 3 लाख

तीनों ने दो एटीएम से तकरीबन 70 लाख 01 जहर 800 रूपये की चोरी की। आरोपियों ने भागते समय एटीएम के कैश बॉक्स से पैसा निकाल कर बॉक्स को रास्ते के नाले में फेक दिया। आरोपी निसार खान एवं सरबाज खान के कब्जे से 3 लाख नगदी और घटना में प्रयुक्त कार, गैस सिलेण्डर, पाईप बर्नर जब्त किया। प्रकरण के अन्य आरोपी नसीम खान एवं आरिफ खान के ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन वे फरार हो गए।

# महिला शिक्षा अधिकारी सस्पेंड,विभाग ने की कार्रवाई

**मुंगेली,17 सितम्बर 2023(ए)।**
शिक्षकों के एरिया इस राशि को भुगतान नहीं करने वाली मुंगेली की महिला डीईओ सविता राजपूत को निलंबित कर दिया गया है। सविता राजपूत मुंगेली जिले की जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर पदस्थ थी। इसी महीने 30 सितंबर को उनका रिटायरमेंट था। शिक्षक पंचायत के एरियर्स भुगतान हेतु जिला पंचायत ने उन्हे 13 जनवरी 2023 को एक करोड़ 52 लाख 98 हजार 214 रुपए जारी किए थे। जिला पंचायत ने राशि पुनरआबंटित करने के पश्चात 2 फरवरी 2023, 24 फरवरी 2023,1 मार्च 2023, 13 मार्च 2023 को एरियर्स राशि का भुगतान करते हुए प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाए जाने हेतु पत्राचार किया गया। पर चार बार पत्र जारी करने के बाद 17 मार्च को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी बीईओ को राशि आवंटित की गई। लेट से राशि आवंटित करने के चलते शिक्षकों में एरियर्स राशि का भुगतान नहीं हो पाया। सविता राजपूत को 16 मई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पर उन्होंने नोटिस के जवाब में सारा ठीकरा ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों पर फोड़ दिया। उनके जवाब को समाधानकारक न मान कर कर्तव्य के प्रति उदासीनता बरतने पर उन्हें निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय संयुक्त शिक्षा संचालक शिक्षा बिलासपुर कार्यालय नियत किया गया है।

# मुख्यमंत्री निवास में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई

**रायपुर,17 सितम्बर 2023(ए)।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की धर्मपत्नी मुक्तेश्वरी बघेल ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर आज यहां अपने निवास में पूर्ण विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के बीच भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री बघेल हैदराबाद के दौरे पर हैं। सीएम बघेल ने ट्वीट कर लिखा - मैं कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के लिए हैदराबाद में हूँ। आज मुख्यमंत्री निवास में धर्मपत्नी श्रीमती मुक्तेश्वरी बघेल जी ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

# ठेठ छत्तीसगढ़ी अंदाज में हो रहा विदेशी मेहमानों का स्वागत

**रायपुर,17 सितम्बर 2023(ए)।**
रायपुर में जी-20 के चौथे फ्रेमवर्क वर्किंग ग्रुप मीटिंग में भाग लेने के लिए विदेशी प्रतिनिधियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। विमानतल पर विदेशी मेहमानों का स्वागत ठेठ छत्तीसगढिया अंदाज में किया जा रहा है।

राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पर विदेशी मेहमानों के लिए रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत किया जा रहा है। डेलीगेट्स को छत्तीसगढ़ का राजकीय गमछा पहनाकर और राऊत नाचा के साथ स्वागत किया जा रहा है। इस समिट में शामिल होने के लिए नीदरलैंड, स्वीजरलैंड, यूनाइटेड स्टेट, जर्मनी के साथ ही अन्य 16 देशों

के प्रतिनिधिगण छत्तीसगढ़ पहुंच रहे हैं। एयरपोर्ट से लेकर रिसोर्ट मेफेयर तक अनेक देशों के राष्ट्रध्वज लगाया गया है। वहीं इस समिट को लेकर नवा रायपुर को दुल्हन की तरह छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सजाया गया है। इसके तहत जगह-जगह छत्तीसगढ़ महतारी का कटआउट, चित्रकोट जलप्रताप, दंतेश्वरी माता मंदिर, भोरमदेव जैसे अंचल के प्रसिद्ध स्थलों का कटआउट जगह-जगह लगाया गया है।



# सीएएफ जवान ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

**कांकेर,17 सितम्बर 2023(ए)।**
छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र कोरर में हल्बा चौकी में ड्यूटी में तैनात सीएएफ जवान ने आज सुबह सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने दी जानकारी देते हुए बताया कि धमतरी जिले के रुद्री थाना का जवान चंद्रशेखर यादव 15वी वाहिनी बीजापुर बी कम्पनी में पदस्थ था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे गए हैं। जवान के खुद को गोली मारने के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है।

पहली बार किसी विरोध प्रदर्शन में एक पत्रकार के विरुद्ध लगे नारे,भरे मंच से की गई पत्रकार की फजीहत

क्या स्वेच्छानुदान राशि पा कर पत्रकारों ने अपनी कमी को उजागर कर दिया है,और क्या कुछ ने निष्पक्षता ताक पर रख दी है?

प्रेस काउंसिल ऑफ कोरिया आक्रोशित,आम आदमी पार्टी के खिलाफ किया निंदा प्रस्ताव पारित...

प्रेस काउंसिल ऑफ कोरिया का आरोप,आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियो ने वरिष्ठ पत्रकार के खिलाफ कहे थे अभद्र व अमर्यादित शब्द

# आम आदमी पार्टी ने एक पत्रकार पर साधा निशाना

# मंच से पत्रकार के विरुद्ध आक्रोश किया जाहिर

आम आदमी पार्टी का आंदोलन जहां पत्रकार को बनाया गया निशाना।

**कोई राष्ट्रीय दल या उसके पदाधिकारी निष्पक्षता के हनन का आरोप खुले मंच से लगाते हैं,मामला गंभीर कहा जा सकता है**

एक प्रतिष्ठित समाचार चैनल जो भले ही क्षेत्रीय चैनल है आज उसकी ख्याति देशभर में है कई जगह विदेशों में भी लोग उसके दर्शक हैं और यदि उसके ही किसी प्रतिनिधि पर कोई राष्ट्रीय दल या उसके पदाधिकारी निष्पक्षता के हनन का आरोप खुले मंच से लगाते हैं, सत्ताधारी दल के विधायकों के साथ जुगलबंदी का और उनसे मिलीभगत का आरोप लगाते हैं, वहीं सत्ताधारी दल के विधायकों से स्वेक्षानुदान की राशि अपने पुत्र के नाम से लेने का आरोप लगाते हैं जो गरीबों के लिए जरूरतमंदों के लिए शासन की महत्वाकांक्षी योजना है जिसका लाभ गरीबों को मिलना चाहिए वंचितों को मिलना चाहिए जरूरतमंदों को मिलना चाहिए तो यह बड़ा गंभीर मामला हो जाता है और यह कहा जा सकता है की मामले में पत्रकार की निष्पक्षता को ही एक तरह से चुनौती है। वैसे आम आदमी पार्टी ने यह भी मंच से कहा पत्रकार को स्वेक्षानुदान राशि उन विधायकों से भी मिली जो उनके पुत्र के नाम से मिली जो पत्रकार के निवास वाले विधानसभा क्षेत्र से अलग क्षेत्र के विधायक हैं और पत्रकार ने यह स्वेक्षानुदान अन्य विधानसभा के विधायक से लेने के लिए अपने पुत्र का पता भी स्वेक्षानुदान सूची में गलत दर्शाया है और जो भी नियम विरुद्ध है।

**आम आदमी पार्टी के नेता ने कहा की पत्रकार कहते फिर रहें हैं की उन्होंने विज्ञापन का पैसा विधायकों से प्राप्त किया**

आम आदमी पार्टी के नेता यहीं नहीं रुके उन्होंने पत्रकार को लेकर यह भी कहा की पत्रकार कहते फिर रहें हैं की उन्होंने विज्ञापन का पैसा विधायकों से प्राप्त किया है और इसमें कोई गलत बात नहीं है और इसको लेकर आम आदमी पार्टी ने पत्रकार को लेकर यह कहा की पत्रकार ने जो स्वेक्षानुदान राशि ली वह गरीबों, वंचितों,जरूरतमंदों का हक था जिसपर डाका डाला गया जिसके लिए पत्रकार को गरीब ,वंचितों ,जरूरतमंदों से माफी मांगनी चाहिए और उनसे कहना चाहिए की हे भगवान, हे जनता मैंने आपके हक की आपके अधिकार की राशि को गबन कर लिया उसमे भ्रष्टाचार किया जिसके लिए मुझे आप माफ करें। वहीं आम आदमी पार्टी के नेताओं ने पत्रकार को एक तरह से चेतावनी भी दी की आपकी नौकरी लंबी है परिवार आपको जीवन भर पालना है और जिन नेताओं का गुणगान कर रहें हैं बखान कर रहें हैं वह पांच साल के लिए हैं उसके बाद कौन आएगा यह तय नहीं है की वही आएं इसलिए आप सचेत रहें। कुल मिलाकर आम आदमी पार्टी ने अपने सफल आंदोलन को जब समाप्त किया तब उन्होंने एक नया नए तरह का समापन घोषणा कार्यक्रम आयोजित किया जिसमे शहर के लोगों को उन्होंने एक पत्रकार वह भी प्रतिष्ठित निजी टीवी न्यूज चैनल के पत्रकार की अपनी तरफ से सच्चाई से अवगत कराया जो शहर की जनता ने भी सुना।

**पत्रकार पर विधायकों का तेल मालिश करने की भी बात कह गए आम आदमी पार्टी नेता**

आम आदमी पार्टी के नेता कितने अक्रोशित थे एक पत्रकार से इस बात का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है की उन्होंने जब आरोप लगाना पत्रकार पर शुरू किया तो उन्होंने पत्रकार पर विधायकों का तेल मालिश करने का भी आरोप लगा दिया। पत्रकार तेल मालिश करते हैं विधायकों का आम आदमी पार्टी ने खुलेआम यह बात मंच से कह डाली,पूरे मामले से पत्रकार की शहर में काफी फजीहत भी हुई है जो बताया जा रहा है।

**स्वेक्षानुदान प्राप्त पत्रकारों को यह साबित करना चाहिए की उन्हे या उनके परिजनों को मिला अनुदान उनके द्वारा प्रकाशित विज्ञापन का शुल्क है?वरना आरोप सही साबित होंगे और पत्रकारिता बदनाम पेशा साबित होगी?**

अब आरोपों के बाद यह जरूरी हो गया है की जो आरोप पत्रकार पर आम आदमी पार्टी ने लगाए हैं जिसमे स्वेक्षानुदान राशि विधायक से प्राप्त करने का जिक्र किया गया है उस मामले में यदि स्वेक्षानुदान विज्ञापन के पैसे के एवज में मिला है तो पत्रकार इसे साबित करें जनता के सामने रखें। विज्ञापन का पैसा लेकर यदि पत्रकार बदनाम हो रहा है तो यह बिलकुल गलत है वहीं विज्ञापन के पैसे का भुगतना यदि विधायक स्वेक्षानुदान मद से कर रहें तो वह भी गलत है, जो भी सच है वह सामने आना चाहिए जिससे पत्रकारिता जगत को बदनामी और जिस तरह आम आदमी पार्टी ने सरेआम बदनाम किया उससे बचाया जा सके।

**इंडिया गठबंधन पहले ही देश के नामी पत्रकारों पर आरोप लगा कर चुका है उनसे परहेज का ऐलान,अब छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने एक पत्रकार के विरुद्ध खोला मोर्चा**

वैसे देश में एमसीबी जिले का मामला पत्रकार विरोध का कोई पहला मामला है ऐसा भी नहीं है,अंतर विरोध का केवल इतना है की देश का नया बना इंडिया गठबंधन जहां कुछ नामी पत्रकारों का सार्वजनिक रूप से बहिस्कार करने का निर्णय ले चुका है उनसे किसी तरह का वह संपर्क या उनके किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का संकल्प लिया गया है वहीं छत्तीसगढ़ में एमसिबी जिले में एक टीवी न्यूज चैनल के पत्रकार का आम आदमी पार्टी ने सार्वजनिक मंच से विरोध किया है और उसके खिलाफ गरीबों के हक में डाका डालने का आरोप लगाया है। आम आदमी पार्टी भी इंडिया गठबंधन का ही हिस्सा है और यदि उस हिसाब से देखा जाए तो इंडिया गठबंधन की तर्ज पर ही सबकुछ हुआ है। आगे और भी ऐसे मामले सामने आएंगे अब इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता क्योंकि यदि आरोप लगाना ही है तो लगाने वाले लगाएंगे ही,अब पत्रकारों को सोचना है की वह किस तरह आगे अपनी रणनीति बनाएं यदि वह स्वेक्षानुदान मद से ही विज्ञापन का पैसा लेते रहेंगे आरोप लगाते रहेंगे।

**क्या पत्रकार स्वेक्षानुदान राशि लेकर करते हैं सत्ताधारी दल के नेताओं का महिमामंडन,क्या नहीं करते वह निष्पक्ष होकर पत्रकारिता?**

आम आदमी पार्टी ने मनेंद्रगढ़ शहर में मंच सजाकर एक निजी टीवी चैनल प्रतिष्ठित चैनल के जिला प्रतिनिधि पर गंभीर आरोप लगाए स्वेक्षानुदान राशि गलत तरीके से लेने फर्जी पता पुत्र का बताकर लेनें का आरोप भी खुलेआम आम आदमी पार्टी के नेताओं ने पत्रकार पर लगाया विधायकों से,उन्होंने यह भी आरोप लगाया की स्वेक्षानुदान राशि लेकर महिमामंडन किया जा रहा है सत्ताधारी दल के नेताओं का और पत्रकारिता की निष्पक्षता को ताक पर रखा जा चुका है। आम आदमी पार्टी के आरोपों से निष्पक्ष पत्रकारिता होती भी है यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है,सबकुछ तालमेल बनाकर सत्ताधारी दल से प्रकाशित किया जाता है स्वेक्षानुदान लेकर ऐसा किया जाता है जो यह भी सवाल उठा गया की क्या यही पत्रकारिता है। वैसे आम आदमी पार्टी ने एक पत्रकार का नाम लेकर जमकर अपनी भड़ास निकाली लेकिन इससे पूरा पत्रकारिता जगत साथ ही जिस पत्रकार पर आरोप लगाए गए उनका प्रतिष्ठित टीवी न्यूज चैनल भी आरोपों से अछूता नहीं रहा जो इन आरोपों की गंभीरता दर्शाता है। पत्रकारों ने निष्पक्षता को ताक पर रखा हुआ है स्वेक्षानुदान लेकर विधायकों से वह महिमा मंडन में उनके लगे हुए है यह भी आम आदमी पार्टी के आरोपों से साबित होता हुआ लोगों को लगा।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर/मनेन्द्रगढ़,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शहर के भगत सिंह तिराहे में बीते शनिवार से चल रहे पांच सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन में प्रशासन ने आम आदमी पार्टी की मांगों को लेकर उन्हे आश्वासन दे दिया, जिसके बाद आम आदमी पार्टी ने आंदोलन वापस ले लिया। लेकिन उसके बाद जो हुआ और आम आदमी पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने जो उदाहरण पेश किया वह अविभाजित कोरिया जिला कहें या छत्तीसगढ़ प्रदेश कहें या देश को लेकर ही उसे उदाहरण मान लें एक अलग ही तरह का विरोध आम आदमी पार्टी ने प्रदर्शित किया, जो एक पत्रकार के विरुद्ध आक्रोश उजागर करता विरोध प्रदर्शन था और निष्पक्षता पर उसके सवाल भी उठाता विरोध प्रदर्शन था, देखा जाए तो आम आदमी का विरोध प्रदर्शन भले ही पांच सूत्रीय मांगो को लेकर था लेकिन जब उनकी मांगों पर प्रशासन से उनकी सहमति बन गई तो आंदोलन समाप्त हो गया, जिसके बाद आम आदमी पार्टी ने एक पत्रकार के विरुद्ध तत्काल मोर्चा खोल दिया और उसकी सरेआम फजीहत कर दी वह भी बीच शहर में माइक चोंगा लगाकर।

आम आदमी पार्टी विगत सप्ताह भर से जिले सहित शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था सहित एक चिकित्सक के करतूतों के खिलाफ आंदोलनरत था और जब प्रशासन ने उनकी बात पर कार्यवाही का आश्वासन दे दिया वह आंदोलन से पीछे हट गए और उसके बाद उन्होंने एक नया अनोखा आंदोलन किया जो बीच शहर में किया गया ऐसा आंदोलन था जिससे एक बड़े क्षेत्रीय राज्यस्तरीय समाचार चैनल इलेक्ट्रोनिक मीडिया के प्रतिष्ठित समाचार चैनल के एक पत्रकार के प्रतिनिधि के विरुद्ध आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया और पत्रकार को जितना भला बुरा वह मंच से बोल सकते थे उन्होंने कहा, जिस तरह के आरोप आम आदमी पार्टी ने प्रतिष्ठित समाचार चैनल के पत्रकार प्रतिनिधि जिला पर लगाए, उससे यह भी सवाल खड़ा हो गया की क्या सच में जो कुछ आम आदमी पार्टी ने उक्त पत्रकार के विरुद्ध आरोप लगाए वह सही हैं? और यदि ऐसा है तो यह गंभीर मामला है और पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर ही सवालिया निशान है।

कोरिया प्रेस कौंसिल की बैठक

एमसीबी प्रेस क्लब की बैठक

**पत्रकारों के लिए अब स्व आंकलन सहित खुद की निष्पक्षता जनता के समाने रख पाना बड़ी जिम्मेदारी, बड़ी चुनौती**

आम आदमी पार्टी ने मनेंद्रगढ़ में जिस तरह एक बड़ेएस पत्रकार की फजीहत स्वेक्षानुदान मामले में की है जिस तरह उसकी निष्पक्षता पर विधायक स्वेक्षानुदान राशि परिजन के माध्यम से प्राप्त करने का सबूत सहित सवाल उठाए हैं उसके बाद अब सभी पत्रकारों को स्व आंकलन की जरूरत है साथ ही अपनी निष्पक्षता जनता के समक्ष साबित करने की जिम्मेदारी है।जनता को अब पत्रकारों को बताना होगा की वह निष्पक्ष हैं यदि आम आदमी पार्टी के आरोपों में सच्चाई है,तभी जनता मानेगी की कोई पत्रकार किस तरह का पत्रकार है निष्पक्ष है या वह प्रायोजित है किसी नेता के महिमा मंडन के लिए वह पत्रकारिता कर रहा है और उसके बदले गरीबों के हक स्वेक्षानुदान राशि में डांका डाल रहा है। पत्रकार जगत इस मामले में पूरी तरह प्रभावित हुआ है बदनाम हुआ है जिसका आंकलन जरूरी है।

**अनगिनत पत्रकारों ने लिया है विधायकों से स्वेक्षानुदान अब उनका भी नाम हो सकता है उजागर,कई बड़े नामी पत्रकारों ने भी लिया है अपने परिवार के सदस्यों के नाम से स्वेक्षानुदान**

जिले में साथ ही बगल के जिले में अनगिनत पत्रकार ऐसे हैं जिन्होंने खुद के नाम से या अपने परिजनों के नाम से विधायकों से स्वेक्षानुदान राशि प्राप्त किया है। अब उनके नाम उजागर करने की भी तैयारी है,कई पत्रकार उजागर होने जा रही सूची में ऐसे हैं जिन्होंने खुद के या अपने परिजनों के नाम से स्वेक्षानुदान लिया है और वह भी अलग अलग विधानसभा के विधायकों से ,इसमें कई बड़े पत्रकार अब घबराए हुए हैं और जिन्हे भी अब भय है की आम आदमी पार्टी ने जिस तरह एक पत्रकार को लेकर प्रदर्शन उसकी फजीहत उसे चंदा लेने वाला भरे बाजार कह दिया कहीं अगला नंबर उनका न हो।

**पिछले चुनाव में स्वेक्षानुदान बंदरबांट बना था प्रमुख चुनावी मुद्दा,कई जगह हुई थी विधायक मंत्रियों की हार**

स्वेक्षानुदान का भुगतान विधायक का वह अधिकार है जो उन्हे इसलिए सरकार ने प्रदान कर रखा है जिससे उनके क्षेत्र में यदि कोई गरीब ,वंचित,जरूरतमंद है जिसे इलाज,बेहतर शिक्षा या अन्य किसी तात्कालिक सहायता की जरूरत है तो उसकी पूर्ति विधायक कर सकें और उनकी मदद हो सके। लेकिन लगातार देखा जा रहा है की स्वेक्षानुदान राशि का बंदरबांट विधायक करते चले आ रहे हैं, स्वेक्षानुदान राशि का वितरण विधायक अधिकांश अपना चेहरा चमकाने के लिए करते चले आ रहे हैं और उसमे भी पत्रकारों के परिजनों सहित उनका स्वयं को भुगतान सबसे ज्यादा होता देखा जा रहा है जो बताता है की किस तरह गरीबों के हक पर विधायक सहित पत्रकार भी डांका डाल रहे हैं।पिछले चुनाव में स्वेक्षानुदान प्रमुख चुनावी मुद्दा था और कई विधायक यहां तक ही मंत्रियों की हार इसी वजह से हुई थी क्योंकि जब आम जनता को पता चला की उनके हक पर कैसे डाका डाल रहे हैं विधायक मंत्री वह अक्रोशित हुए और विपक्ष में मतदान किया। वैसे इस बार भी स्वेक्षानुदान ही मुद्दा होगा और इस बार बड़ी मात्रा में पत्रकार और उनके परिजन लाभान्वित हुए हैं जो मुद्दा बनेगा जिसकी शुरुआत हो गई है। आम आदमी पार्टी ने इसको लेकर बिगुल फूंक दिया है।

## स्वेक्षानुदान मामले में पत्रकार पर जो आरोप आम आदमी पार्टी ने लगाए यदि वह सही हैं तो यह पत्रकारिता जगत के लिए यह विचारणीय बात

आम आदमी पार्टी ने मनेंद्रगढ़ में बीच शहर में जिस तरह मंच सजाकर एक प्रतिष्ठित टीवी न्यूज चैनल के जिला प्रतिनिधि पत्रकार के विरुद्ध नारे बाजी की जिस तरह के उन पर आरोप लगाए, विधायकों से खासकर उन विधायकों से जो उनके निवास क्षेत्र के विधानसभाओं से अलग विधानसभाओं के विधायक हैं उन्हे या उनके पास गलत जानकारी पता अपने पुत्र का बताकर स्वेक्षानुदान राशि प्राप्त की जो गरीब वंचितों सहित जरूरतमंदों को मिलने वाला अधिकार है राशि है तो यह निश्चित रूप से गंभीर मामला है और पूरे पत्रकारिता जगत के लिए विचारणीय स्थिति उत्पन्न करने वाला विषय है। यदि आरोप सही हैं और स्वेक्षानुदान लेने मात्र के लिए कोई प्रतिष्ठित न्यूज चैनल खासकर टीवी चैनल का पत्रकार या प्रतिनिधि अपने परिवार के पुत्र के नाम को आगे करता है गलत पता बताकर अलग अलग क्षेत्र के विधायकों से स्वेक्षानुदान राशि लेता है तो यह मामला छोटा मामला नहीं है। पहली बार इस तरह के आरोपों से जिले सहित प्रदेश में पत्रकारिता को लेकर यह संदेश गया की आज पत्रकारिता सामंजस्य से चल रही है सत्ताधारी दल के निर्वाचित नेताओं के इशारे पर चल रही है, आरोपों से पत्रकारिता पर सवालिया निशान लगा और एक संदेश भी आम जनता के बीच गया की अब जनता के हक पर पत्रकार डाका डाल रहें हैं जो आम जनता की आवाज बनने का दावा करते हैं। यह छोटी मोटी क्षति नहीं है,यह उस टी वी न्यूज चैनल के लिए भी विचारणीय होना चाहिए जिसके प्रतिनिधि पर यह आरोप लगे हैं।

## स्वेक्षानुदान क्या पत्रकारों को अपनी महिमा प्रकाशित करने देते हैं निर्वाचित विधायक?...क्या उसके असली हकदार गरीब वंचित साथ ही जरूरतमंद नहीं हैं पत्रकार हैं?

आम आदमी पार्टी ने एक पत्रकार पर शहर में जो आक्रोश जाहिर किया वह एक पत्रकार तक ही जिले के सीमित नहीं रह गया,आम आदमी पार्टी का आरोप उन सभी पत्रकारों पर सवाल खड़ा कर गया जो स्वेक्षानुदान प्राप्त कर चुके हैं लगातार प्राप्त करते रहें हैं जिसकी भी सत्ता प्रदेश में रही हो जो भी उनका क्षेत्रीय विधायक रहा हो, पत्रकार किस तरह अपने परिवार के सदस्यों के नाम से विधायकों से स्वेक्षानुदान प्राप्त कर रहें हैं यह देखा भी जाता रहा है और आम आदमी पार्टी ने उसे नामजद उजागर कर उसे जग जाहिर भी कर दिया। वहीं विधायक भी मामले में सवालों के घेरे में आ गए जिन्होंने भी स्वेक्षानुदान पत्रकारों के बीच उनके परिवार जनों को वितरण किया है। सवाल यह भी है की क्या स्वेक्षानुदान राशि विधायकों को अपना चेहरा चमकाने के लिए मिलता है क्या वह उस राशि से उस शासन की महत्वाकांक्षी योजना जो गरीबों वंचितों और जरूरतमंदों के लिए है से अपना प्रचार प्रसार करवा रहे हैं पत्रकारों को बांटकर वह खुद की प्रसंशा के आकांक्षी होते हैं। वैसे क्या स्वेक्षानुदान गरीबों वंचितों और जरूरतमंदों के लिए न होकर पत्रकारों के लिए है यह भी अब विधायकों को बताना चाहिए।

## कोरिया प्रेस कौंसिल व एमसीबी प्रेस क्लब की हुई बैठक,आम आदमी पार्टी नेताओं के बयानों को लेकर किया गया निंदा प्रस्ताव

मामले में प्रेस कौंसिल कोरिया व एमसीबी प्रेस क्लब की बैठक में आहूत की गई और आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा जिस तरह एमसिबी जिले के एक पत्रकार प्रतिष्ठित टीवी न्यूज चैनल पत्रकार के विरुद्ध स्वेक्षानुदान लेने साथ ही निष्पक्ष न होकर पत्रकारिता करने का खुलेआम आरोप लगाया गया उस मामले में आम आदमी पार्टी के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। गत दिवस एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ में राजनीतिक दल आम आदमी पार्टी के द्वारा आयोजित आमसभा में पार्टी के पदाधिकारी के द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रेस काउंसिल ऑफ कोरिया के संरक्षक व वरिष्ठ पत्रकार के प्रति अभद्र व अमर्यादित शब्द कहे गए जिसकी वजह से जिले के समस्त पत्रकारों की भावनाएं आहत हुई बैकुंठपुर के रेस्ट हाउस में पत्रकारों के द्वारा बैठक कर आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी के प्रति निंदा प्रस्ताव पारित किया गया बैठक में उपस्थित समस्त पत्रकारों ने कहा कि आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी के द्वारा सार्वजनिक मंच से व्यक्तिगत रूप से चिह्नित करते हुए निम्नतम भाषा का प्रयोग किया गया जो की बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है जिस पार्टी के अध्यक्ष के ऊपर गंभीर आरोप लगे हैं अधिकांश मंत्री जेल में है उनके बारे में भी कोरिया की जनता को अवगत कराना चाहिए, जिससे कोरिया सहित छत्तीसगढ़ की जनता भी समझ सके कि इनका चाल चरित्र चेहरा क्या है बेबुनियाद आरोप लगाने वालों को पहले जांच करनी चाहिए हमारे देश में कानून व्यवस्था भी है वहां अवगत कराना चाहिए किंतु लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मनमाने तरीके से अपशब्द कहे गए इससे यह स्पष्ट है कि इन्हें देश के कानून की कोई परवाह नहीं है बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने एक स्वर में पुलिस प्रशासन से तत्काल कार्यवाही की मांग की विदित हो की आगामी दो माह में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने हैं इसके पूर्व विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के द्वारा पत्रकारों के बारे में अनर्गल बयान बाजी की जा रही है जो की उचित नहीं है भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

C M Y K

# रजिस्ट्री विभाग की भ्रष्ट व्यवस्था के चलते

# पनप रहे भू-माफिया

**सुनियोजित तरीके से बनवाए जा रहे फर्जी एग्रीमेंट के कागज़ात**

**फर्जीवाड़े में गिल भी हैं शामिल या उसके साथ हुआ फर्जीवाड़ा**

**जांच में होगा खुलासा, मामला डिडवापानी जमीन खरीदी का**

**जिले में भू माफिया की कारगुजारियां बढ़ती जा रही हैं...अनुपपुर भू माफियाओं के गोरख धंधे की मिसाल बनता जा रहा है,अलबत्ता यह अपवाद नहीं है...यहां जैसी कहानी और भी बहुत से शहरों,और शहर बनते कस्बों की है...भ्रष्ट व्यवस्था के चलते भू माफिया पनप रहे हैं...पुलिस,राजस्व विभाग,रजिस्ट्री विभाग की मिलीभगत के चलते इस तरह के काम को बढ़ावा मिलता है...**

## फर्जीवाड़े में पटवारियों की भूमिका संदिग्ध

यदि ऐसे गिरोह के खिलाफ कभी कोई कागजी सुराग हाथ लगता है तो पुलिस कार्रवाई नहीं होने से भू माफिया गिरोह अपने को बेखौफ महसूस करता है। इस गिरोह के द्वारा फर्जी तरीके से जमीन की रजिस्ट्री की नकल निकलवा ली जाती है। जमीनी फर्जीवाड़े में पटवारियों की भूमिका कम खतरनाक नहीं, जिनके द्वारा भूस्वामी के नाम की ऋण पुस्तिका तक फर्जी व्यक्ति का चित्र लगाकर तहसील कार्यालय से जारी करा दी जाती है, और जिसकी जानकारी वास्तविक भूमि स्वामी को नहीं होती है। इसी को आधार बनाकर जमीन की रजिस्ट्री और नामांतरण का खतरनाक खेल भी होता है।

## नोटिस के बाद भी मामला अधर में लटका हुआ

बीते दिनों डिडवापानी जमीन बिक्री मामले में एसडीओपी अनुपपुर पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। विभाग द्वारा नोटिस काटने के बाद भी शिकायत अभी भी ठंडे बस्ते में नजर आ रहा है। उक्त मामले में सेवा प्रदाता ने खुले आम वकील सुनील गुप्ता पे आरोप लगाए थे की सारा मामला उनका किया हुआ है। साथ ही जिले के कुछ दलालों के नाम भी शिकायत में सामने आए उसके बाद भी मामला अधर में लटका हुआ है। इतना ही नहीं अब इस मामले में राजेंद्रग्राम के एक सोनी का नाम भी आ रहा है। सूत्रो की माने तो मामले की कड़ी अब राजेंद्रग्राम तक भी पहुंच रही है, लाल पट्टा व इस सोनी की जोड़ी ने पड़ोसी जिले में भी जमीनों की हेराफेरी की है जिसकी जांच किया जाना भी अब जरूरी है।

## फॉलोअप

अब जंगल की जमीन भी बेच रहे दलाल, जांच में खुलेंगे सारे राज

पुलिस की जांच से खुलेंगे राज, पर्दे के पीछे छिपे चेहरे भी होंगे बेनकाब

डिडवापानी की तर्ज़ पर बिकी मैकी की जमीन

-अरविंद द्विवेदी-

**अनूपपुर 17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।** जिले में भी भूमाफिया के आतंक से अधिकांश भूस्वामी अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जमीनी फर्जीवाड़े में सफेदपोश अपराधियों के शामिल होने से वास्तविक भूस्वामी परेशान हो रहे हैं। भू माफिया के द्वारा फर्जी दस्तावेज बनाकर गलत तरीके से रजिस्ट्री कराने का गंदा खेल चल रहा है। भू माफिया गिरोह में ऐसे बेरोजगार नौजवानों का इस्तेमाल भी हो रहा है जो रातों-रात करोड़पति बनने के सपने देखा करते हैं। फर्जी एग्रीमेंट के कागजात भू माफिया के द्वारा बहुत सुनियोजित तरीके से बनवाए जाते हैं। इसी आधार पर फर्जी तरीके से रजिस्ट्री भी करा ली जाती है।

## अदालत का स्थगन आदेश किस आधार पर

रजिस्ट्रार ऑफिस के द्वारा यह कह दिया जाता है कि यदि कोई आपत्ति लगाना है तो रसीद कटाइए। फर्जी रजिस्ट्री रोकने के लिए कोर्ट से स्टे लाने की बात करने लगते हैं। यह सवाल काफी महत्वपूर्ण है कि जब किसी को पता ही नहीं कि उसकी रजिस्ट्री कब, कौन व्यक्ति करा रहा है तो अदालत का स्थगन आदेश किस आधार पर लाएगा.? सामान्य तौर पर रजिस्ट्रार ऑफिस को आपत्तिकर्ता की शिकायत को संज्ञान में लेना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो यह मान लेना चाहिए कि इस तरह के फर्जीवाड़े में रजिस्ट्रार ऑफिस की भी मिलीभगत रहती है।

## कागजों में सत्यापन,दो-दो अनिल शाह

इस मामले में विक्रेता अनिल शाह है जिस अनिल शाह ने पंजीयन कराया है वह वर्तमान में लापता हैं साथ ही दिल्ली निवासी अनिल पंजाबी आज भी जमीन अपनी मान रहे हैं। उनका कहना है कि उन्होंने जमीन बेची ही नही, वह जल्द ही पुलिस को अपनी शिकायत देंगे। अब सवाल उठता है कि जब अनिल ने पंजीयन कराया ही नही तो किस अनिल ने पंजीयन कराया जिसे कुछ गवाहों ने सत्यापित भी कर दिया।

## जिले में बेखौफ जारी है फर्जी रजिस्ट्री का खेल

ऐसी स्थिति में भूस्वामी को अपनी जमीन बचाने के लिए कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाने होते हैं। वास्तविक भूस्वामी के कीमती समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती है और न्याय की प्रतीक्षा में जिंदगी गुजर जाती है। जबकि शिकायतों के आधार पर इन भूमाफिया के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज होना चाहिए। इसके चलते भूमाफियाओं पर बड़े पैमाने पर अंकुश लगेगा। बीते दिनों जिले में ऐसे कई मामले प्रकाश में आए हैं जिसमें फर्जी तरीके से कागजात तैयार करके रजिस्ट्री करवा ली जाती है।

## मामले से क्रेता ने बनाई दूरी,खड़े हो रहे कई प्रश्न

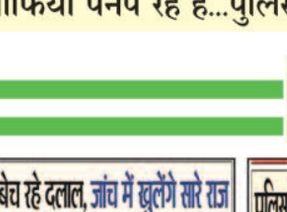

डिडवापानी मामले में बिलासपुर के क्रेता गिल ने भूमि ग्राम डिडवापानी आराजी खसरा नम्बर 13/6/2 रकवा 1.265 हे0, 12/4 रकवा 4.047 से, 7/4/2 रकवा 2. उत हे. 8/1 रकवा 12.14 हे को फर्जी विक्रेता बनकर अनिल कुमार शाह (उम्र 51 वर्ष) पिता छोटेलाल शाह निवासी वार्ड नं. 06 पुनीरा आधार नं. 829050587408 के द्वारा विक्रयनामा बलवीर सिंह गिल पिता ज्ञान सिंह गिल निवासी हाउस नम्बर 87 वार्ड नं. 04 नयापारा बोदरी (बोसरी) बिलासपुर आधार नम्बर 251366353909 रजिस्ट्रेशन नं. एमपी 46252202312086376 रजिस्ट्रेशन दिनांक 05/07/2023 को रजिस्ट्री कराया गया है जिसमें भूमि विक्रय की राशि 4 चेक के माध्यम से 68 लाख रूपये प्राप्त कर रजिस्ट्री कराई गई है। जिसमें से 20 लाख रूपये जरिये ऐक्सिस बैंक शाखा राजेन्द्र नगर बिला सीटी बिलासपुर के चेक क्रमांक 040921 दिनांक 21 मई 2023 के माध्यम से एवं 20 लाख रूपये जरिये ऐक्सिस बैंक शाखा राजेन्द्र नगर बिला सीटी बिलासपुर के चेक क्रमांक 040922 दिनांक 21/06/2023 के माध्यम से एवं 18 लाख रुपये जरिये ऐक्सिस बैंक शाखा राजेन्द्र नगर बिला सीटी बिलासपुर के चेक क्रमांक 040923 दिनांक 21 मई को माध्यम से एवं 10 लाख रूपये नगद के माध्यम से इस प्रकार विक्रय प्रतिफल की संपूर्ण राशि 68,00,000 (अठसठ लाख रुपये मात्र) विक्रय पंजीयन के पूर्व विक्रेता से क्रेता ने चेक व नगद के माध्यम से राशि प्राप्त किया है तथा सेवा प्रदाता कमलेश प्रसाद राठौर पिता देवलाल राठौर (एसपी 14625112201400139) निवासी वार्ड नं. 09 हाल मुकाम अनूपपुर तहसील के पास डॉ एसआरपी द्विवेदी के बगल में बताया गया। सवाल उठता है कि इस पूरे मामले में शिकायत व समाचार पत्र में आने के बाद भी क्रेता पूरे मामले से दूरी बनाए हुए हैं ऐसे में इस फर्जीवाड़े में उनकी मिलीभगत भी हो सकती है अगर उसके साथ छल हुआ है तो आगे आकर शिकायत करनी चाहिए पर क्रेता का मौन बहुत कुछ कह रहा है। बहरहाल मामला पुलिस के पास है जांच के बाद सारा सच सामने आएगा।

# भाजपा नेता शैलेष शिवहरे के नेतृत्व में चलाया गया स्वच्छता अभियान

**प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़ा शुरू...**

**दीर्घायु जीवन की कामना के लिए प्रेमाबाग शिव मंदिर में की गई पूजा अर्चना**

-संवाददाता-
**बैकुण्ठपुर,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।**

17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर जगह जगह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं इसी कड़ी में कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में भाजपा जिला उपाध्यक्ष और विधानसभा चुनाव के दावेदार शैलेष शिवहरे के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही प्रेमाबाग शिव मंदिर में पूजा अर्चना किया गया।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर श्री शिवहरे द्वारा स्वच्छता का संदेश देने हेतु हर वर्ष इस प्रकार का आयोजन किया जाता है इसी कड़ी में रविवार सुबह बस स्टैंड में किए गए आयोजन में भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने कहा कि माननीय मोदी जी ने धूल-मिट्टी को साफ़ करने के लिए झाड़ू उठाकर स्वच्छ भारत अभियान को पूरे राष्ट्र के लिए एक जन-आंदोलन का रूप दिया और कहा है कि लोगों को न तो स्वयं गंदगी फैलानी चाहिए और न ही किसी और को फैलाने देना चाहिए। उन्होंने न गंदगी करेंगे, न करने देंगे। का मंत्र भी दिया। और इसी के तहत उनके आह्वान पर हम सभी स्वच्छता का संदेश देने हेतु सफाई अभियान चला रहे हैं,उन्होंने बताया कि मोदी जी के जन्मदिवस से लेकर 2 अक्टूबर तक भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय नेतृत्व द्वारा सेवा पखवाड़ा चलाया जाएगा जिसमे विभिन्न माध्यम से लोगो तक पहुंचा जायेगा। इसके साथ ही दोपहर में प्रेमाबाग शिव मंदिर परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु जीवन की कामना के लिए भगवान शिव का रुद्राभिषेक,पूजन,हवन किया गया। इस अवसर पर डॉ राकेश शर्मा,अनिल शर्मा,सुभाष साहू,सुरेंद्र चक्रधारी, आशीष शुक्ला,पार्षद अनिल खटीक, अवधेश सिंह, फिरदोश अहमद,अरविंद सिंह, परवेज आलम,मिंकू सोनी, घनश्याम साहू,स्वामी पटेल, संजय जयसवाल, रजनीश गुप्ता, मनोज सोनी, मल्लू जयसवाल, सुदीप सोनी,अभय दुबे, लल्ला, पन्ना गोयन, समीर जायसवाल, संजू जायसवाल, बबलू सिंह, अमित खटीक, राजेश खटिक, छोटू, ध्रुव जायसवाल आदि अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

# जिले में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक आयुष्मान भवःअभियान का होगा आयोजन

-संवाददाता-
**कोरबा,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।**

शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री सौरभ कुमार के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन.केसरी के नेतृत्व में जिले में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2023 तक आयुष्मान भवः अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य स्वास्थ्य मंत्रालय की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाना है।

कलेक्टर ने जिले के अधिकारी-कर्मचारियों, मितानिनों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आयुष्मान भवः अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक करने का कार्य करें, जिससे स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ आम जनों को प्राथमिकता से मिले।

सीएमएचओ डॉ. केसरी ने बताया कि जिले में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस अभियान में आरोग्य लक्ष्य सेवा का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस अभियान के तहत 03 महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। जिसके अंतर्गत जिले में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स पर आयुष्मान मेले का आयोजन किया जाएगा। आयुष्मान मेले में गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों का इलाज किया जाएगा। इस दौरान सभी ब्लॉक स्तर के चिकित्सालयों में हेल्थ कैंप लगाए जाएंगे। जिसमें मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों की सेवाएं इलाज हेतु ली जाएगी। आवश्यकतानुसार जांच के बाद मरीजों को मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाएगा। आयुष्मान भवः अभियान अंतर्गत स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा साथ ही आयुष्मान गॉव घोषित करने की योजना है। आयुष्मान आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने और बांटने का कार्य होगा। उन्होंने बताया कि 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर पूरे देश में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सभी ग्रामों मे ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा , जिसमें सुनिश्चित की जाएगी कि गांव के प्रत्येक व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बना हो एवं जिस गांव में शत-प्रतिशत लोगों का आयुष्मान कार्ड बनना पूरा हुआ हो उसे आयुष्मान गांव घोषित किया जाएगा।

# विकास कार्यों में किसी भी वार्ड के प्रति भेदभाव नहीं:राजस्व मंत्री

-संवाददाता-
**कोरबा,17 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।**

वार्ड क्र. 31 खरमोरा में विभिन्न कार्यों सी.सी.रोड एवं सी.सी.नाली निर्माण के लिये कुल 56.35 लाख रूपये की लागत से निर्माण कार्यों का भूमिपूजन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर राजकिशोर प्रसाद की अध्यक्षता व सभापति श्यामसुंदर सोनी, मेयर इन काउंसिल सदस्य सपना चौहान, वार्ड पार्षदअनिता यादव एवं एल्डरमेन आरिफ खान व अभिनव तिवारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

भूमिपूजन कार्यक्रम खरमोरा नीम चौक स्थित वार्ड क्र. 31 में देवेन्द्र चौहान घर से सुखीराम के घर तक 28 लाख 64 हजार रूपये की लागत से सी.सी.रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य एवं वार्ड क्र. 31 अंतर्गत सान्याल घर से राधेश्याम के घर तक 27 लाख 72 हजार रूपये की लागत से सी.सी.रोड एवं आर.सी.सी.नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि पहले खरमोरा आने जाने के लिए सड़कों पर चलना दुर्भर हो गया था, आज सड़क, पानी, बिजली, स्ट्रीट लाईट इत्यादि का विकास कार्य किया गया है। आपने देखा होगा कि पहले पार्षद 05-10 लाख रूपये के काम के लिये इधर-उधर घूमा करते थे, आज वहीं पार्षद अपने वार्ड में 50 लाख रूपये से लेकर 01 करोड़ रूपये तक के काम उनके वार्ड में हो रहे हैं। हमने हर वार्ड में सी.सी.सड़कों व पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के कार्य करवाये है। नगर पालिक निगम कोरबा के विभिन्न वार्डों में समान रूप से आवश्यकतानुसार विकास कार्य निगम के माध्यम से समान रूप से कराये गये हैं। कोरबा में विकास कार्यो के संबंध में कहा के हर वार्डों का विकास कार्य राजनीतिक पार्टियों को अलग रखकर समान रूप से विकास के कार्य कराए गए हैं।

इस महापौर राजकिशोर प्रसाद ने अपने उद्बोधन में कहा की हमारे क्षेत्र के विधायक एवं छ.ग.राज्य के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने हमारे कोरबा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास में महती भूमिका अपनाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एकेडमी, मेडिकल कालेज इत्यादि जैसे बड़े कार्यो की सौगात कोरबावासियों को दिलाने में महती भूमिका निभाई हैं, ऐसे स्थिति में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को कोरबा के विकास पुरूष के कहने में अतिसंयोक्ति नहीं होगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व वार्ड पार्षद व पार्षद पति सकुंदी यादव ने राजस्व मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे खरमोरा वार्ड क्र. 31 में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य कराये गये हैं, इसके लिए मंत्री एवं महापौर को वार्डवासियों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रेषित किया।

**न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर, जिला - कोरिया (छ0ग0)**

इंफोर्ट रा0प्र0क्र0.../अ-6/2022-23

**ईश्तहार**

सर्व साधारण ग्राम तलवापारा प0ह0नं0 10 तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.) तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है, कि आवेदक कृष्ण कुमार साहू आ0 स्व0 रामधन जाति तेली निवासी ग्राम तलवापारा तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ.ग.) द्वारा आवेदन अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदक के पिता रामधन आ0 शिवधारी के नाम पर ग्राम तलवापारा प0ह0नं0 10 तहसील बैकुण्ठपुर स्थित भूमि ख0 नं0 242/2, 317/1, 318/1 रकबा क्रमशः 0.3120, 0.0850, 0.4920 कुल रकबा 0.8890 हे0 एवं संयुक्त खाता कृषि भूमि ग्राम तलवापारा प0ह0नं0 10 में ख0 नं0 387/2 रकबा 0.8090 हे0 भूमि है। पिता की मृत्यु दिनांक 09.07.2022 को हो गई है। पिता की मृत्यु पश्चात् राजस्व रिकार्ड में आवेदक अपना नाम फौती के रूप में दर्ज कराने का निवेदन किया गया है।

अतः उक्त संबंध हित रखने वाले व्यक्तियों को यदि कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 25.09.2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगा। जारी दिनांक 11/09/2023

सील

तहसीलदार
बैकुण्ठपुर

# टीम इंडिया ने एशिया कप का खिताब किया अपने नाम

- श्रीलंका को 10 विकटों से हराया
- एशिया कप 2023 फाइनल में श्रीलंका का शर्मनाक रिकॉर्ड,
- 50 रन पर टीम का सूपड़ा साफ

**कोलंबो, 17 सितम्बर 2023।** कोलंबो में खेले जा रहे एशिया कप 2023 फाइनल मुकाबले में भारत के खिलाफ श्रीलंकाई टीम के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। इस दौरान पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम 50 रन पर धराशाही हो गई। इस दौरान मोहम्मद सिराज की तरफ से खतरनाक गेंदबाजी देखने को मिली। उन्होंने 12 रन पर 6 विकेट झटके। इसके साथ ही श्रीलंका का भारत के खिलाफ सबसे कम वनडे स्कोर का रिकॉर्ड बन गया है।

श्रीलंका की पारी ढहने की एकमात्र वजह भारतीय गेंदबाज सिराज रहे। उन्होंने अपनी आग उगलती गेंदबाजी से महज 16 गेंदों में 5 विकेट अपने नाम किए। वहीं अपने दूसरे स्पैल में उन्होंने श्रीलंकाई टीम के 4 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने 7 ओवर में 21 रन देककर 6 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा हार्दिक पांड्या ने 3 रन देककर 3 विकेट और जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट अपने नाम किया।

मोहम्मद सिराज ने अपने वनडे करियर में 50 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह सबसे कम गेंदों में ऐसा कारनामा करने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। सिराज ने 1002 गेंदों में इस आकड़े को छुआ। इस मामले में पहले स्थान पर श्रीलंका के अजंथा मेंडिस हैं, जिन्होंने 847 गेंद में ही 50 विकेट ले लिए थे।

50 रनों पर सिमटने वाली श्रीलंकाई टीम ने भारत के खिलाफ सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड अपने नाम किया। कुल मिलाकर वनडे में ये श्रीलंका का दूसरा सबसे कम स्कोर है, इससे पहले वो साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2012 में 43 रनों पर ऑलआउट हो गई थी।

### इस जीत के हीरो मोहम्मद सिराज रहे

ये आठवीं बार है जब भारतीय टीम ने इस खिताब को अपने नाम किया है। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए महज 50 रन ही बनाए। वहीं भारत की तरफ से शुबमन गिल और ईशान किशन ने बतौर ओपनिंग जोड़ी रहते आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के हीरो मोहम्मद सिराज रहे जिन्होंने 6 विकेट झटके।

# एशियाई खेलों में चुनौती पेश करने जा रहीं भारत की 'सुपर मॉम'

**नई दिल्ली, 17 सितम्बर 2023।** किसी भी मां के लिए बच्चे को जन्म देने के बाद काम पर लौटना एक कठिन काम है लेकिन बड़ी संख्या में भारतीय महिला खिलाड़ी अब प्रतिस्पर्धा जारी रखकर रूढ़िवादिता को तोड़ रही हैं। भारत में मां बनने के बाद खेल जारी रखने वाली सबसे प्रसिद्ध 'सुपर मॉम' शायद दिग्गज मुक्केबाज मेरीकोम और छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सानिया मिर्जा हैं।

पीटीआई उन भारतीय माताओं पर एक नजर डाल रही है जो 23 सितंबर से शुरू होने वाले हांगझोउ एशियाई खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

### दीपिका पल्लीकल (स्क्वॉश)

भारतीय स्क्वाश की 'पोस्टर गर्ल' दीपिका पल्लीकल देश के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर 2014 में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्क्वाश में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता। उनकी अन्य उपलब्धियों में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला बनने के अलावा विश्व चैंपियनशिप, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में कई पदक जीतना भी शामिल है। अक्टूबर 2021 में उनके और उनके पति भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के घर जुड़वां लड़कों-कबीर और जियान का जन्म हुआ। इसके कुछ महीने बाद दीपिका ने स्क्वाश कोर्ट पर वापसी की और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता। उम्मीद है कि हांगझोउ एशियाई खेलों में दीपिका मिश्रित युगल स्पर्धा में भाग लेंगी और संभवतः यह उनके अंतिम एशियाई खेल होंगे।

### कोनेरू हंपी (शतरंज)

यह ग्रैंडमास्टर भारत की बेहतरीन शतरंज खिलाड़ियों में से एक है। वह 2002 में 15 साल, एक महीने, 27 दिन की उम्र में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की महिला बनीं और 2600 ईएलओ रेटिंग अंक को पार करने वाली दूसरी महिला बनीं। हंपी ने 2017 में अपनी बेटी अहाना को जन्म दिया जिसके बाद उन्होंने मातृत्व ब्रेक लिया। वह दो साल बाद वापसी करते हुए 2019 में महिला विश्व रेपिड चैंपियन बनीं और फिडे महिला ग्रां प्री 2019-21 सत्र में उपविजेता रहीं। यह 36 वर्षीय खिलाड़ी हांगझोउ में एकल के साथ-साथ टीम स्पर्धा में भी भाग लेगी। हरिका

### द्रोणावल्ली (शतरंज)

यह भारतीय ग्रैंडमास्टर विश्व चैंपियनशिप की तीन बार की पदक विजेता है। यह 32 वर्षीय खिलाड़ी दुनिया भर की महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है। हरिका पिछले साल गर्भावस्था के नौवें महीने में बेहद दबाव वाले टूर्नामेंट शतरंज ओलंपियाड में खेली थीं। एशियाई खेलों की तैयारी के लिए वह तैयारी शिविरों के दौरान अपने साथियों के साथ ऑनलाइन जुड़ेगी। हंपी, आर वैशाली, तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी के साथ हरिका ने शतरंज ओलंपियाड में महिला टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीता जो महिला वर्ग में भारत का पहला पदक था। इसके कुछ दिनों बाद उनके यहां बेटी हनविका ने जन्म लिया। वह 2010 के ग्वांग्झू खेलों के व्यक्तिगत कांस्य पदक में एशियाई खेलों का एक और पदक जोड़ना चाहेंगी।

### मनप्रीत कौर (गोला फेंक)

मनप्रीत कौर महिलाओं की गोला फेंक स्पर्धा में भाग लेंगी। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मनप्रीत ने 2010 में दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। फिर उन्होंने अपनी शादी और बेटी जसनूर के जन्म के लिए तीन साल का ब्रेक लिया। वह 2016 में प्रतिस्पर्धी प्रतियोगितओं में लौटीं और अपने खेल में रियो 2016 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय महिला बनीं। मनप्रीत पर जुलाई 2017 में चार साल का डोपिंग प्रतिबंध लगाया गया था। लेकिन उन्होंने पिछले साल मजबूत वापसी करते हुए गोले को 18.06 मीटर की दूरी तक फेंककर न केवल अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया बल्कि गोला फेंक में 18 मीटर की दूरी को पार करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी भी बन गई।

### दीक्षा स्विस लेडीज ओपन गोल्फ में शीर्ष 10 में

**होल्जहौसर्न (स्विट्जरलैंड),, 17 सितम्बर 2023।** भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर दूसरे दौर में पांच अंडर 66 के शानदार स्कोर के साथ वीपी बैंक स्विस लेडीज ओपन में शीर्ष 10 में पहुंच गई हैं।

पहले दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाने वाली दीक्षा का कुल स्कोर छह अंडर 136 है और वह संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर चल रहीं थी।

वह शीर्ष पर चल रही नॉर्वे की मेडेलिन स्टेवनर (64 और 66) से छह शॉट पीछे हैं जिनका कुल स्कोर 12 अंडर 130 है।

पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर चल रही अमनदीप द्राल दूसरे दौर में 74 के लचर प्रदर्शन के साथ संयुक्त रूप से 48वें स्थान पर खिसक गई। वाणी कपूर (72 और 73) एक शॉट से कट हासिल करने से चूक गईं।

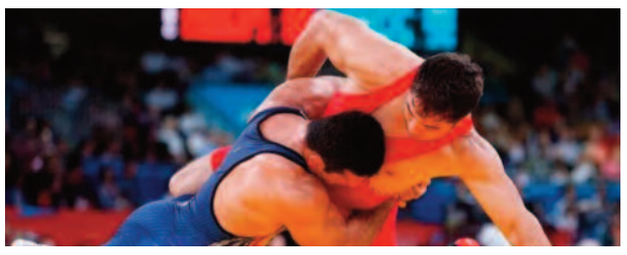

# अभिमन्यु ने विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप के शुरूआती दौर में उलटफेर किया

**यूएसए, 17 सितम्बर 2023।** युनाइटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) विश्व चैंपियनशिप के पहले दिन सभी चार भारतीय फ्री-स्टाइल पहलवानों ने यहां अपने शुरुआती दौर के मुकाबलों में जीत हासिल की, जिसमें 70 किग्रा पहलवान अभिमन्यु ने रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज यूक्रेन के इहोर न्यकीफोरुक को हराया।

जून में अंडर23 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता और विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर रहे अभिमन्यु ने यूक्रेन के खिलाड़ी को 19-9 से हराया। अभिमन्यु ने शुरुआती तीन मिनट के खेल में 5-0 की बढ़त बना ली थी। रेफरी को दूसरे पीरियड में 2.41वें मिनट पर खेल रोकना पड़ा। भारतीय खिलाड़ी के सामने प्री-क्वार्टर फाइनल में मोलदोवा के निकोलाई ग्राहमेज की चुनौती होगी।

आकाश दहिया ने मोलदोवा के प्रतिद्वंद्वी लेओमिड कोलेस्निक को 10-5 से हराकर विजयी शुरुआत की। दुनिया के 21वें नंबर के पहलवान का मुकाबला अब उज्बेकिस्तान के जाहोंगिरमिर्ज़ा तुरोबोव से होगा, जिन्हें यहां छठी वरीयता दी गई है और 2021 एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता हैं। शुरुआती दौर के अन्य मुकाबलों में, 86 किग्रा के पहलवान संदीप मान ने तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) से जीत के साथ उत्तरी मैसेडोनिया के डेजान मित्रोव को हराया। वह क्वालीफिकेशन के दूसरेराउंड में चीन के लिन जुशेन से भिड़ेंगे।

भारत के 125 किग्रा पहलवान सुमित ने भी दुनिया में 30वें स्थान पर मौजूद जापान के ताकी यामामोटो पर आसान जीत दर्ज की। उन्होंने 3-1 से जीत दर्ज करके प्री-क्वार्टर फाइनल में पोलैंड के रॉबर्ट बारान से मुकाबला तय किया। सातवीं वरीयता प्राप्त बारान 2016 रियो ओलंपिक खेलों में क्वार्टर फाइनलिस्ट होने के अलावा यूरोपीय चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं।

# डाइमंड लीग फाइनल्स में खिताब से चूके चोपड़ा

**यूजान (अमेरिका), 17 सितम्बर 2023।** ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा डाइमंड लीग फाइनल के अपने खिताब का बचाव करने में नाकाम रहे और शनिवार को यहां 83.80 मीटर के सामान्य प्रदर्शन के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने वाले 25 साल के चोपड़ा को हेवर्ड फील्ड पर हुए फाइनल्स में जूझना पड़ा। उनके दो प्रयास फाउल रहे। उनका दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दूसरे प्रयास में आया। उन्होंने पहले प्रयास में फाउल करने के बाद दूसरे प्रयास में भाले को 83.80 मीटर की दूरी तक फेंका। उनके अन्य प्रयास 81.37 मीटर, फाउल, 80.74 मीटर और 80.90 मीटर रहे।

डाइमंड लीग 13 चरण की एकदिवसीय प्रतियोगिता है।

यह मौजूदा सत्र में चोपड़ा का 85 मीटर से कम का पहला प्रदर्शन है। उन्होंने तीसरे स्थान पर रहते हुए डाइमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने 2022 में ज्यूरिख में 88.44 मीटर के प्रयास के साथ डाइमंड लीग फाइनल्स का खिताब जीता था।

यहां हालांकि 25 डिग्री से कम तापमान और 45 प्रतिशत आर्द्रता के बीच कोई भी प्रतिस्पर्धी 85 मीटर की दूरी भी तय नहीं कर पाया।

चेक गणराज्य के याकुब वाडलेच ने 84.24 मीटर के प्रयास के साथ तीसरी बार डाइमंड लीग फाइनल्स का खिताब जीता। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में यह दूरी तय की। वह अपने पहले प्रयास में 84.01 मीटर की दूरी के साथ शुरुआत से ही छह खिलाड़ियों के बीच शीर्ष पर चल रहे थे।

बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में कांस्य और तोक्यो ओलंपिक में चोपड़ा से पिछड़ने के बाद रजत पदक जीतने वाले वाडलेच ने 2017 और 2018 में भी डाइमंड लीग फाइनल्स के खिताब जीते हैं।

फिनलैंड के ओलिवर हेलेंडर ने 83.74 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स का लचर प्रदर्शन जारी रहा और वह 74.71 मीटर के प्रयास से अंतिम स्थान पर रहे।

वाडलेच को डाइमंड लीग ट्रॉफी और 32 हजार डॉलर की इनामी राशि मिली। चोपड़ा को दूसरे स्थान पर रहने के लिए 12 हजार डॉलर मिले।

चोपड़ा से जब भारतीय एथलेटिक्स में उनके प्रभाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उनमें (भारतीयों में) भी विश्वास जगा कि वे भी जीत सकते हैं।

उन्होंने कहा, मैं बुडापेस्ट में था (विश्व चैंपियनशिप के लिए), मैंने वहां स्वर्ण पदक जीता और इससे भी भारतीय एथलेटिक्स में कुछ बदलाव आएगा।

चोपड़ा इसी स्थल पर 2022 में विश्व चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहे थे।

चोपड़ा का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर जबकि सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88.77 मीटर है। उन्होंने पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने से पूर्व पांच मई को दोहा और 30 जून को लुसाने में दो व्यक्तिगत डाइमंड लीग स्पर्धाएं जीती थी।

बुडापेस्ट में 88.17 मीटर के प्रयास के साथ विश्व खिताब जीतने के बाद वह ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप दोनों खिताब हासिल करने वाले इतिहास के केवल तीसरे भाला फेंक खिलाड़ी बने थे।

विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने के कुछ ही दिनों बाद उन्होंने 31 अगस्त को डाइमंड लीग के ज्यूरिख चरण में प्रतिस्पर्धा की जहां वह वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

# इलावेनिल को रियो निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण

**रियो दि जिनेरियो, 17 सितम्बर 2023।** ओलंपियन इलावेनिल वलारिवान ने यहां अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल प्रतियोगिता की महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता।

इलावेनिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ महिलाओं के बीच 24 शॉट के फाइनल में कभी भी 10.1 से कम अंक नहीं जुटाए।

इलावेनिल ने 252.2 अंक के साथ फ्रांस की 20 साल की सनसनी ओसिएन म्यूलर को हराया जो 251.9 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। चीन की झेंग जियाले ने तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक हासिल किया।

इलावेनिल ने 630.5 अंक के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी।

म्यूलर 633.7 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं थी। चीन की दो निशानेबाजों झेंग जियाली और झेंग यू के अलवा नॉर्वे की यूरोपीय चैंपियन जेनेट हेग डुएस्टेड ने भी फाइनल में जगह बनाई थी।

पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत के संदीप सिंह क्वालीफिकेशन में 628.2 अंक के साथ 14वें स्थान पर रहे।

शुक्रवार को इलावेनिल ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में संदीप के साथ मिलकर 629.91 का संयुक्त स्कोर बनाया था।

इस स्पर्धा का चौथे और पदक दौर का अंतिम स्थान इजराइल के नाम रहा जिन्होंने 42 टीम की स्पर्धा में भारत से 0.5 अंक अधिक बनाए।

इलावेनिल ने 314.8 जबकि संदीप ने 314.3 अंक जुटाए। भारतीय जोड़ी मामूली अंतर से कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा पेश करने से चूक गई। इजराइज ने अंततः कांस्य पदक जीता। जर्मनी ने स्वर्ण जबकि हंगरी ने रजत पदक जीता।

भारत की 16 सदस्यीय टीम सात ओलंपिक स्पर्धाओं में रियो विश्व कप में हिस्सा ले रही है। इटली दो स्वर्ण के साथ शीर्ष पर चल रहा है जबकि भारत और आर्मेनिया संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

# रक्तांचल 2 अभिनेता करण पटेल की डर्टन छू की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

बॉलीवुड अभिनेता करण पटेल को पिछली बार वेब सीरीज रक्तांचल 2 में देखा गया था, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है। अब करण ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम डर्टन छू रखा गया है। इसमें आशुतोष राणा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।डर्टन छू का निर्देशन भारत रतन द्वारा किया जा रहा है तो वहीं मीनू पटेल और अंकिता द्वारा इसके निर्माता हैं।

कॉमेडी से भरपूर फिल्म डर्टन छू 13 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।निर्माताओं ने फिल्म का पहला प्रोमो वीडिया भी जारी किया है, जिसमें करण बेहद परेशान नजर आ रहे हैं।बता दें, करण ने साल 2003 में टीवी शो कहानी घर-घर की से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, उन्हें असल पहचान ये है मोहब्बतें से मिली।करण फिल्म सिटी ऑफ गोल्ड में भी काम कर चुके हैं।

# 'जब वी मेट' के सिक्वल पर लगी मुहर!

करीना कपूर खान और शाहिद कपूर की 'जब वी मेट' बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है. साल 2007 में रिलीज़ हुई यह रोमांटिक-कॉमेडी ब्लॉकबस्टर रही थी और आज भी ये फिल्म लोगों के दिलों पर राज करती है. फैंस अक्सर इस फिल्म के सीक्वल की मांग करते रहते हैं और फाइनली फैंस की ये ख्वाहिश पूरी होती नजर आ रही है. एक रिपोर्ट के मुताबिक 'जब वी मेट' के सीक्वल की आने की तैयारी हो रही है.

रिपोर्ट के मुताबिक कथित तौर पर 'जब वी मेट' के सीक्वल राज मेहता द्वारा गांधार फिल्म्स बैनर के तहत प्रोड्यूस किया जाएगा, रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के सीक्वल वर्जन का निर्देशन इम्तियाज अली करेंगे उन्होंने 'जब वी मेट' का भी डायरेक्शन किया था. हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक 'जब वी मेट 2' के बारे में कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है.

'जब वी मेट 2' के आने की खबरों के साथ ही ये भी चर्चा शुरू हो गई है कि क्या फिल्म की स्टार कास्ट करीना कपूर खान और शाहिद कपूर फिर से इसके पार्ट 2 के लिए भी एक साथ आएंगे और गीत और आदित्य के रूप में अपनी भूमिकाओं को दोहराएंगे. इसी के साथ बता दें कि फिल्म के सीक्वल के बारे में अफवाहें इंटरनेट पर तब फैलनी शुरू हुई जब शाहिद कपूर ने इसकी संभावना के बारे में थोड़ा हिंट दिया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक, वैलेंटाइन डे पर एक्टर के एक फैन ने उनसे इम्तियाज अली के साथ लगातार बातचीत के बारे में पूछा। इस पर शाहिद कपूर ने कहा था, 'स्मार्ट बॉय.' बता दें कि जब वी मेट कुछ दिनों पहले सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज हुई थी. हालांकि, उस दौरान शाहिद कपूर से पूछा गया कि क्या वह इस आइकॉनिक फिल्म के सीक्वल में रोल प्ले करना चाहेंगे. इसके जवाब में शाहिद ने कहा कि यह मेनली स्क्रिप्ट पर डिपेंड करता है. उन्होंने मेंशन किया कि अगर स्क्रिप्ट आसानी से ओरिजनल वर्जन से मेल खा सकती है, तो वह यकीनन आगे आएंगे. इतना ही नहीं, शाहिद ने अपनी जब वी मेट की को-एक्ट्रेस करीना की भी जमकर तारीफ की थी और बताया था कि उनके अलावा कोई भी उस भूमिका को नहीं निभा सकता.

# डेविल से संयुक्ता का फर्स्ट लुक पोस्टर सामने आया

नंदामुरी कल्याण राम की उत्सुकता से प्रतीक्षित अवधि जासूसी थ्रिलर, डेविल, अभिषेक नामा के निर्माण और निर्देशन के तहत 24 नवंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। संयुक्ता के जन्मदिन के अवसर पर, जो फिल्म में निषाधा की मुख्य भूमिका निभा रही हैं, निर्माताओं ने उनके चरित्र पोस्टर का अनावरण किया। पोस्टर में, संयुक्ता पारंपरिक पोशाक में लालित्य का परिचय दे रही है, एक गर्म मुस्कान के साथ, नारियल और फूलों से सजे मंदिर की यात्रा का संकेत दे रही है।

डेविल में श्रीकांत विस्सा की मनमोहक कहानी, पटकथा और संवाद हैं। फिल्म का संगीत हर्षवर्द्धन रामेश्वर ने तैयार किया है, जबकि सौंदराजन छायाकार हैं। इस बहुप्रतीक्षित पीरियड स्पाई थ्रिलर पर अधिक अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें।

CMYK

# श्रद्धा और विश्वास के पावन पर्व

# तीजा

## पर माताओं और बहनों को शुभकामनाएं

## समान अवसर और अधिकारों से नारी शक्ति का सम्मान

- महिला स्व-सहायता समूहों के **12.77 करोड़ रुपये** का ऋण माफ
- राज्य महिला कोष मद में **5 गुना** वृद्धि
- ग्राम सभाओं में **50%** आरक्षण, जिला खनिज न्यास मद (DMF) के नीति निर्माण में महिलाओं को मिला अधिकार
- महिला स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा **1.8 लाख** महिलाओं को नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा
- पंजीकृत श्रमिक परिवार की दो बेटियों को **1-1 लाख रु** की सहायता (12वीं कक्षा उत्तीर्ण होने और 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर)
- महिला उद्यमियों को व्यापार/उद्यम हेतु राज्य महिला उद्यमिता नीति 2023-28 के तहत **10-50 लाख रुपये** तक की आर्थिक सहायता व अन्य विशेष अनुदान

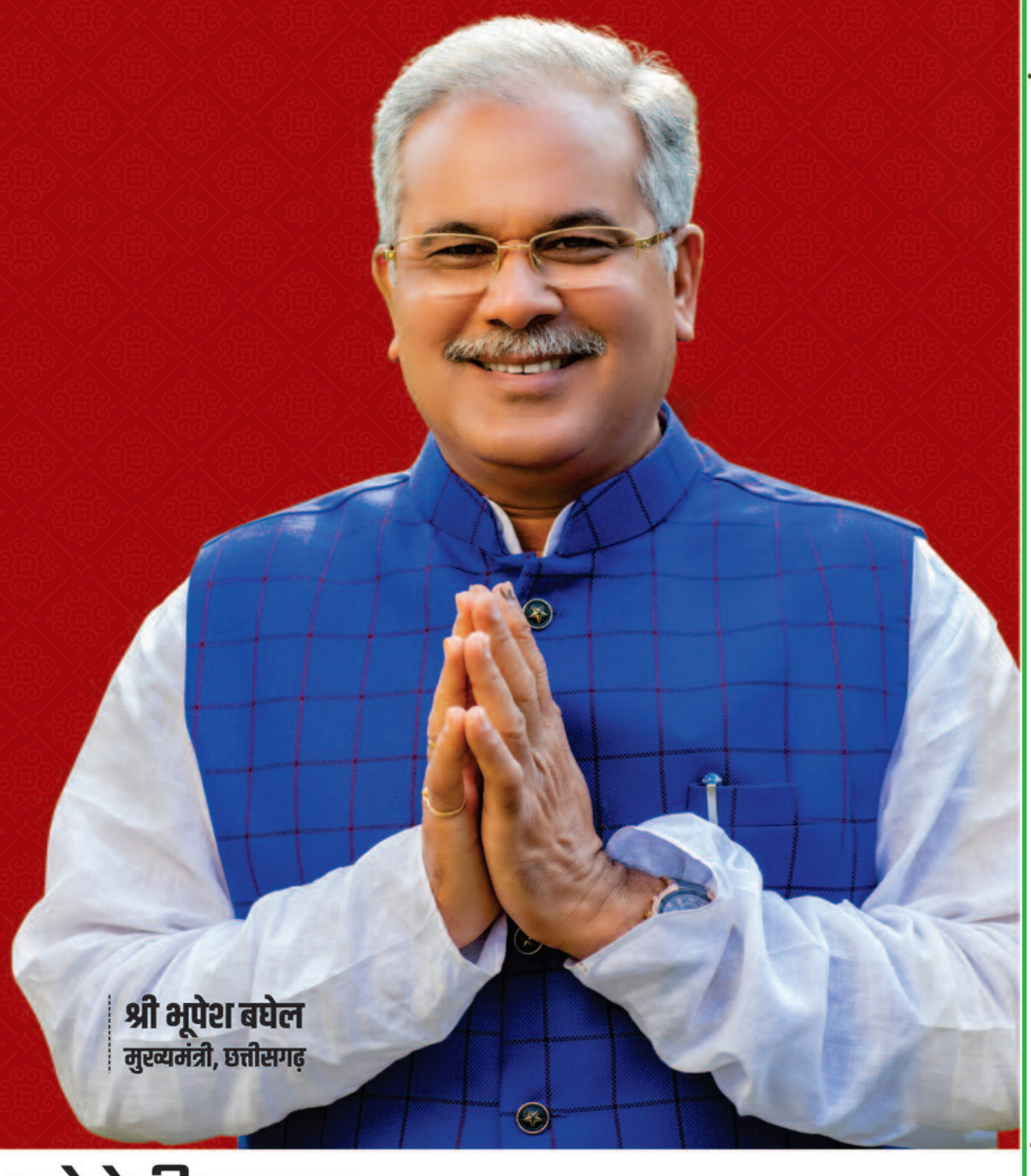

**श्री भूपेश बघेल**
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संवाद 38519/70

## छत्तीसगढ़ सरकार - भरोसे की सरकार

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)